सच बोलने की हिम्मत

राजधानी चौपाल

RNI No. HARHIN/25/A3341

अंक : 10 | वर्ष : 01 | साप्ताहिक (08 से 14 मार्च 2026) | पृष्ठ 8 | मूल्य : 5/- रुपये | E-mail : rajdhanichoupal@gmail.com

राजधानी चौपाल
समाचार पत्र में किसी भी प्रकार के समाचार, विज्ञप्ति और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें...
94169-26329
93068-13001

ईरान जंग की आग में झुलसी रसोई: घरेलू सिलेंडर 60 रुपए और कॉमर्शियल 115 रुपए महंगा

मिडिल ईस्ट संकट का सीधा असर अब भारतीय थाली पर; सरकार ने लागू किया 'इमरजेंसी पावर', रिफाइनरियों को LPG उत्पादन बढ़ाने के सख्त निर्देश

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)| होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते तनाव और ईरान-इजराइल के बीच छिड़ी जंग की तपिश अब सीधे भारत के रसोई घरों तक पहुँच गई है। केंद्र सरकार ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस की किल्लत और आपूर्ति बाधित होने की आशंका के बीच घरेलू एलपीजी (LPG) सिलेंडर के दामों में 60 रुपए की भारी बढ़ोतरी कर दी है। राजधानी दिल्ली में अब 14.2 किलोग्राम वाला घरेलू गैस सिलेंडर 913 रुपए का मिलेगा, जो कल तक 853 रुपए में उपलब्ध था। मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए यह एक बड़ा झटका है, क्योंकि पिछले एक साल से कीमतें स्थिर बनी हुई थीं। वहीं, व्यावसायिक इस्तेमाल वाले 19 किलोग्राम के कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में 115 रुपए का इजाफा किया गया है, जिससे अब यह 1883 रुपए का हो गया है। बढ़ी हुई कीमतें 7 मार्च 2026 से देशभर में प्रभावी हो गई हैं।

क्यों बढ़ी कीमतें? युद्ध और सप्लाई चेन का संकट

गैस की कीमतों में इस अचानक उछाल के पीछे अंतरराष्ट्रीय भू-राजनीतिक समीकरण सबसे बड़ा कारण हैं। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए स्ट्राइक के बाद पूरे खाड़ी क्षेत्र में असुरक्षा का माहौल है।

1. होर्मुज की घेराबंदी: भारत अपनी जरूरत का लगभग 54% एलएनजी (LNG) इसी समुद्री रास्ते से मंगाता है। ईरान द्वारा इस रूट को असुरक्षित घोषित किए जाने के बाद टैंकरों का आवागमन ठप है। दुनिया के कुल पेट्रोलियम व्यापार का 20% हिस्सा इसी संकरे जलमार्ग से गुजरता है।

2. कतर का उत्पादन बंद: भारत को गैस सप्लाई करने वाला सबसे बड़ा देश कतर है। ईरान के पलटवार में सऊदी और यूएई के अमेरिकी ठिकानों पर हुए ड्रोन हमलों के बाद कतर ने सुरक्षा कारणों से अपने एलएनजी प्लांट का उत्पादन अस्थायी रूप से रोक दिया है। भारत अपनी जरूरत की 40% एलएनजी (करीब 2.7 करोड़ टन सालाना) कतर से ही लेता है।

चिंता: क्या लोग अपनाएंगे EV?

शहरों में सीएनजी (CNG) और पीएनजी (PNG) सप्लाई करने वाली कंपनियों के संगठन 'एसोसिएशन ऑफ सीजीडी एंटिटीज' (ACE) ने सरकार को पत्र लिखकर आगाह किया है। कंपनियों का डर है कि अगर कतर से सस्ती गैस नहीं मिली, तो उन्हें विदेशी बाजारों से महंगी गैस खरीदनी पड़ेगी। यदि इसका बोझ उपभोक्ताओं पर डाला गया, तो लोग स्थायी रूप से इलेक्ट्रिक वाहनों (EV) की ओर रुख कर लेंगे, जिससे अरबों रुपए का गैस इंफ्रास्ट्रक्चर बर्बाद हो सकता है।

सरकार का मास्टर स्ट्रोक: एसेंशियल कमोडिटी एक्ट लागू

हालात की गंभीरता को देखते हुए भारत सरकार ने 5 मार्च को अपनी इमरजेंसी पावर का इस्तेमाल किया है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने सभी तेल रिफाइनरी कंपनियों (IOC, HPCL, BPCL) को आदेश दिया है कि वे अन्य पेट्रोकेमिकल उत्पादों के बजाय अब केवल रसोई गैस (LPG) बनाने पर ध्यान केंद्रित करें।

सरकार ने सख्त निर्देश दिए हैं कि रिफाइनरियां अब प्रोपेन और ब्यूटेन का इस्तेमाल पेट्रोल की ग्रेडिंग सुधारने या अन्य रसायनों के निर्माण में नहीं करेंगी। इनका शत-प्रतिशत उपयोग घरेलू गैस सिलेंडर भरने के लिए किया जाएगा। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि युद्ध लंबा खिंचने की स्थिति में भी देश के भीतर गैस की किल्लत न हो और ब्लैक मार्केटिंग पर लगाम कसी जा सके।

निजी कंपनियों पर पड़ेगा असर : सरकार के इस आदेश का असर रिलायंस इंडस्ट्रीज (RIL) जैसी निजी क्षेत्र की बड़ी कंपनियों पर भी पड़ेगा। रिफाइनरियों को अब अपने मुनाफा देने वाले पेट्रोकेमिकल प्रोडक्ट्स (जैसे पॉलीप्रोपाइलीन) के बजाय कम मार्जिन वाली एलपीजी बनानी होगी। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इससे कंपनियों के तिमाही नतीजों पर दबाव दिख सकता है, लेकिन राष्ट्रीय हित और जनहित को देखते हुए सरकार ने यह कठोर कदम उठाया है।

राहत की खबर: रूस बना भारत का 'संकटमोचक'

इतनी नकारात्मक खबरों के बीच एक सकारात्मक पहलू यह है कि भारत अब पूरी तरह होर्मुज रूट पर निर्भर नहीं है। भारत अपनी जरूरत का 20% कच्चा तेल सीधे रूस से मंगा रहा है, जो आर्कटिक या अन्य सुरक्षित समुद्री रास्तों से आता है। फरवरी के आंकड़ों के अनुसार, भारत रोजाना 10.4 लाख बैरल रूसी तेल का आयात कर रहा है। इसके अलावा, देश के पास वर्तमान में पेट्रोलियम का पर्याप्त 'स्ट्रैटेजिक रिजर्व' मौजूद है, इसलिए फिलहाल हाहाकार मचने जैसी स्थिति नहीं है।

कैसे तय होता है आपके सिलेंडर का दाम?

गैस सिलेंडर की कीमतें 'इंपोर्ट पैरिटी प्राइस' (IPP) के आधार पर तय होती हैं। इसमें अंतरराष्ट्रीय बाजार में एलपीजी के दाम और डॉलर के मुकाबले रुपए की मजबूती को देखा जाता है। इसके बाद इसमें मार्केटिंग मार्जिन, कस्टम ड्यूटी, ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट, बॉटलिंग चार्ज और डीलर कमीशन जोड़ा जाता है। अंत में केंद्र और राज्य सरकार के टैक्स (GST) लगने के बाद खुदरा मूल्य तय होता है।

जरूरी सूचना: अफवाहों पर न दें ध्यान

सोशल मीडिया पर मंगलुरु रिफाइनरी (MRPL) और अन्य प्लांट के बंद होने की खबरें वायरल हो रही हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय ने साफ किया है कि ये केवल अफवाहें हैं। सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे घबराकर गैस की 'पैनिक बुकिंग' न करें, क्योंकि सप्लाई चेन को सुचारू बनाए रखने के लिए सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। यदि मिडिल ईस्ट में युद्ध 15 दिनों से ज्यादा खिंचता है, तो सरकार 'स्पॉट मार्केट' से गैस खरीदने के लिए विशेष सब्सिडी पैकेज का ऐलान कर सकती है। इसके अलावा, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया जैसे वैकल्पिक देशों से एलएनजी कार्गो मंगाने की बातचीत भी शुरू हो चुकी है।

रूस बनेगा संकटमोचक: अमेरिकी लाइसेंस से आसान हुई रूसी तेल की राह, तेल कीमतों में आग के बीच भारत को 'संजीवनी'

ईरान-इजराइल जंग की लपटों के बीच अमेरिका ने दी 30 दिन की विशेष रियायत; 89 डॉलर के पार पहुंचा कच्चा तेल, भारत को 3 अप्रैल तक का सुरक्षा कवच

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)| मध्य पूर्व (मिडिल ईस्ट) के धधकते रणक्षेत्र से उठी युद्ध की भीषण चिंगारी ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में कोहराम मचा दिया है। ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते सैन्य टकराव और 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' की संभावित घेराबंदी के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल (CRUDE OIL) की कीमतें 89.18 डॉलर प्रति बैरल के खतरनाक स्तर पर पहुँच गई हैं। इस गहरे वैश्विक संकट के बीच भारत ने एक बड़ी कूटनीतिक सफलता हासिल की है। अमेरिका ने भारतीय रिफाइनरियों को रूस से कच्चा तेल खरीदने के लिए 3 अप्रैल 2026 तक का विशेष लाइसेंस जारी कर दिया है, जिससे भारत की ऊर्जा सुरक्षा को एक अस्थाई लेकिन अत्यंत महत्वपूर्ण मजबूती मिली है।

अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने वाशिंगटन में आधिकारिक घोषणा करते हुए बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप के ऊर्जा एजेंडे के तहत भारत को यह 30 दिनों की विशेष छूट प्रदान की जा रही है। इस निर्णय का प्राथमिक उद्देश्य वैश्विक तेल बाजार में आपूर्ति को स्थिर रखना और कीमतों को अनियंत्रित होने से बचाना है। अमेरिका का मानना है कि भारत जैसे बड़े उपभोक्ता के लिए तेल की उपलब्धता सुनिश्चित करना पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था के हित में है। हालांकि, इस रियायत के साथ एक अनिवार्य शर्त यह जुड़ी है कि भारत केवल उन रूसी कच्चे तेल के टैंकरों को ही प्राप्त कर सकेगा, जो 5 मार्च 2026 तक जहाजों पर लोड हो चुके थे। वर्तमान में एशियाई जल क्षेत्र में लगभग 95 लाख बैरल रूसी कच्चा तेल टैंकरों में भरा हुआ खड़ा है, जिसे भारतीय रिफाइनरियां अब बिना किसी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध के डर के सीधे प्राप्त कर सकेंगी।

होर्मुज की घेराबंदी और वैश्विक तेल केंद्रों पर प्रहार : ईरान और इजराइल के बीच जारी इस संघर्ष ने उन क्षेत्रों को निशाना बनाया है जो दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति की रीढ़ माने जाते हैं। पिछले कुछ दिनों में सऊदी अरामको की प्रमुख रिफाइनरियों और इराक के विशाल तेल क्षेत्रों पर हुए ड्रोन हमलों ने वैश्विक निवेशकों और तेल उत्पादक देशों के बीच दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' के असुरक्षित होने का मतलब है कि दुनिया की 20% तेल आपूर्ति पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं। भारत के लिए यह स्थिति इसलिए भी चिंताजनक है क्योंकि वह अपनी तेल जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा इसी मार्ग के जरिए आयात करता है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस संकट की गंभीरता को रेखांकित करते हुए कहा है कि फारस की खाड़ी का यह इलाका दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा के लिए अपरिहार्य है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब इस क्षेत्र में कोई बाधा आती है, तो उसका सीधा प्रहार राष्ट्रों की अर्थव्यवस्था पर होता है। रक्षा मंत्री के अनुसार, वर्तमान में जो 'असामान्यता' हम देख रहे हैं, वह अब वैश्विक भू-राजनीति का 'न्यू नॉर्मल' बनती जा रही है। भारत को अब जमीन और समुद्र के साथ-साथ अंतरिक्ष आधारित खतरों से भी अपनी ऊर्जा संपत्तियों की रक्षा करने के लिए तैयार रहना होगा।

अमेरिका द्वारा भारत को दी गई यह 30 दिन की मोहलत केवल एक व्यापारिक रियायत नहीं है, बल्कि यह ट्रंप प्रशासन की एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। अमेरिका चाहता है कि रूस के तेल पर पूर्ण प्रतिबंध लगाकर वैश्विक कीमतों में आग न लगे, इसलिए वह भारत जैसे मित्र देशों को 'सेफ्टी वाल्व' के रूप में इस्तेमाल कर रहा है। स्कॉट बेसेंट ने स्पष्ट किया कि ईरान वैश्विक ऊर्जा बाजार को बंधक बनाने की कोशिश कर रहा है और भारत को यह छूट देकर अमेरिका उस दबाव को कम करना चाहता है।

हालांकि, इस लाइसेंस के पीछे एक छिपा हुआ संदेश यह भी है कि भविष्य में भारत को अमेरिकी ऊर्जा निर्यात पर अपनी निर्भरता बढ़ानी होगी। भारत के लिए यह समय अपनी रिफाइनिंग क्षमता को रूसी और अमेरिकी तेल के मिश्रण के अनुसार ढालने का है। यदि 3 अप्रैल तक युद्ध विराम नहीं होता है, तो भारत को एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी ऊर्जा संप्रभुता के लिए कड़ा रुख अपनाना पड़ सकता है।

संप्रभुता बनाम तकनीकी मजबूरी : इस अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम ने देश के भीतर एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए इसे 'विदेशी दबाव के आगे झुकना' बताया है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सोशल मीडिया पर तर्क दिया कि जब कोई आधिकारिक व्यापार समझौता अस्तित्व में ही नहीं है, तो अमेरिका से 'अनुमति' लेने की आवश्यकता भारत की संप्रभुता पर प्रश्नचिह्न लगाती है।

विपक्ष का आरोप है कि सरकार ने पर्दे के पीछे ऐसे समझौते किए हैं जिनसे भारत की निर्णय लेने की स्वतंत्रता प्रभावित हो रही है। इसके जवाब में सरकार के उच्चाधिकारियों और रणनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि यह 'अनुमति' भारत की विदेश नीति का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग और बीमा प्रणालियों की एक तकनीकी आवश्यकता है। चूंकि अधिकांश वैश्विक लेनदेन अमेरिकी डॉलर और पश्चिमी बैंकों के माध्यम से होते हैं, इसलिए इस प्रकार के लाइसेंस भारतीय कंपनियों को कानूनी पचड़ों और प्रतिबंधों की मार से बचाते हैं।

तेल बाजार का गणित - क्या बढ़ेंगे पेट्रोल-डीजल के दाम?

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों का 89 डॉलर प्रति बैरल के पार जाना भारतीय तेल कंपनियों के लिए खतरे की घंटी है। भारत अपनी कुल तेल आवश्यकता का 88% आयात करता है, इसलिए डॉलर की मजबूती और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें सीधे तौर पर देश के व्यापार घाटे को प्रभावित करती हैं। यदि कच्चा तेल 95 डॉलर के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार कर जाता है, तो केंद्र और राज्य सरकारों के लिए पेट्रोल और डीजल की कीमतों को स्थिर रखना नामुमकिन हो जाएगा। हालांकि, रूस से मिलने वाले रियायती तेल ने अब तक एक सुरक्षा कवच प्रदान किया है। सरकार फिलहाल 'वेट एंड वॉच' की स्थिति में है और तेल कंपनियों को घाटा सहने के निर्देश दिए गए हैं ताकि आम आदमी पर महंगाई का अचानक बोझ न पड़े।

वैश्विक अस्थिरता और भारतीय अर्थव्यवस्था का भविष्य

कच्चे तेल की कीमतों में उछाल केवल तेल कंपनियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इसका असर माल ढुलाई और लॉजिस्टिक्स के जरिए सीधे उपभोक्ता तक पहुँचता है। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) भी इन कीमतों पर पैनी नजर बनाए हुए है क्योंकि तेल की कीमतों में 10% की वृद्धि मुद्रास्फीति को 0.5% तक बढ़ा सकती है। सरकार के लिए चुनौती यह है कि वह एक तरफ राजकोषीय घाटे को नियंत्रण में रखे और दूसरी तरफ आम जनता को वैश्विक कीमतों के झटके से बचाए।

सुखोई-30 विमान के लेफ्टिनेंट पुरवेश और गुरुग्राम के स्क्वाड्रन लीडर अनुज की मौत

वायुसेना ने दिए जांच के आदेश, दुरागकर ने ऑपरेशन सिंदूर में भी लिया था हिस्सा

गुवाहटी/गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| असम के कार्बी आंगलोंग में वीरवार शाम दुर्घटनाग्रस्त हुए वायुसेना के सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान के दोनों पायलटों की मौत हो गई। वायुसेना ने शुक्रवार को हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि स्क्वाड्रन लीडर गुरुग्राम के अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट पुरवेश दुरागकर विमान उड़ा रहे थे। पुरवेश ने पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर में भी अहम भूमिका निभाई थी। वायुसेना ने दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दिए हैं।

वायुसेना के अनुसार, यह लड़ाकू विमान जोरहाट एयरबेस से नियमित प्रशिक्षण उड़ान पर निकला था, लेकिन उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद शाम 7:42 बजे विमान का संपर्क रडार और ग्राउंड कंट्रोल से टूट गया। बाद में स्थानीय ग्रामीणों से पता चला कि लड़ाकू विमान असम के कार्बी आंगलोंग के पहाड़ी क्षेत्र में गिर गया है।

वायुसेना ने बताया कि विमान जोरहाट एयरबेस से लगभग 60 किलोमीटर दूर दुर्घटनाग्रस्त हुआ। पहाड़ी और घने जंगलों वाले इलाके की वजह से विमान को तलाशने के लिए चलाए अभियान में काफी चुनौती आई। गुवाहाटी में रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि शुक्रवार सुबह विमान का मलबा मिला।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दो पायलटों की जान जाने पर शोक व्यक्त किया है। असम के सीएम हिमंत बिस्व ने भी गहरा शोक व्यक्त किया।

10 साल से वायुसेना में थे अनुज

अनुज गुरुग्राम में रहते थे। उनका परिवार मूलरूप से रोहतक के गांव ककराना का है। उनके पिता आनंद प्रकाश भारतीय सेना में सूबेदार रह चुके हैं। वह करीब दस वर्षों से वायुसेना में सेवाएं दे रहे थे। परिवार में उनकी शादी की तैयारियां जोर-शोर से चल रही थीं। उनका आज ककराना में अंतिम संस्कार होगा।

तीन साल में 3 सुखोई गिरे : जून, 2024 में महाराष्ट्र के नासिक जिले में सुखोई लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इससे पहले जनवरी, 2023 में ग्वालियर एयरबेस से टेक ऑफ करने के बाद एक और सुखोई-30 जेट क्रैश हो गया था। सुखोई दो सीटों वाला बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमान है, जिसे रूसी कंपनी सुखोई ने विकसित किया है और यह भारतीय वायुसेना के प्रमुख लड़ाकू बेड़े का अहम हिस्सा माना जाता है।

यूपीएससी का परिणाम घोषित • राजस्थान के अनुज अग्निहोत्री ने किया टॉप, पंचकूला के एकांश दुल को मिला तीसरा स्थान

देश को मिले 958 नए जांबाज अफसर; एम्स के डॉक्टर ने मारी बाजी, बेटियों ने फिर लहराया सफलता का परचम

नई दिल्ली/चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) ने शुक्रवार, 6 मार्च 2026 को सिविल सेवा परीक्षा-2025 का अंतिम परिणाम जारी कर दिया है। इस वर्ष की मेरिट सूची में राजस्थान के रावतभाटा (चित्तौड़गढ़) निवासी अनुज अग्निहोत्री ने अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम रैंक (AIR 1) हासिल कर इतिहास रच दिया है। वहीं, हरियाणा के पंचकूला के रहने वाले एकांश ढुल ने तीसरा स्थान (AIR 3) प्राप्त कर प्रदेश का मान बढ़ाया है। इस बार कुल 958 अभ्यर्थियों का चयन भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS), भारतीय पुलिस सेवा (IPS) और भारतीय विदेश सेवा (IFS) सहित विभिन्न केंद्रीय सेवाओं के लिए किया गया है।

डॉक्टर से कलेक्टर तक का सफर : प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले अनुज अग्निहोत्री पेशे से डॉक्टर हैं। उन्होंने एम्स (AIIMS) जोधपुर से एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त करने के बाद प्रशासनिक सेवा की ओर रुख किया। यह उनका तीसरा प्रयास था, जिसमें उन्होंने 'मेडिकल साइंस' (चिकित्सा विज्ञान) को वैकल्पिक विषय के रूप में चुनकर यह शानदार मुकाम हासिल किया है। अनुज वर्तमान में दिल्ली में एसडीएम (SDM) के पद पर कार्यरत हैं और उनकी इस सफलता ने राजस्थान के युवाओं में नया जोश भर दिया है।

बेटियों का दबदबा बरकरार : महिला वर्ग में तमिलनाडु के मदुरै की रहने वाली राजेश्वरी सुवे एम ने पूरे देश में दूसरा स्थान (AIR 2) प्राप्त किया है। राजेश्वरी वर्तमान में तमिलनाडु में डिप्टी कलेक्टर के रूप में कार्यरत हैं और इस वर्ष की महिला टॉपर बनी हैं। टॉप-10 की सूची में बेटियों ने एक बार फिर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है, जो देश में महिला सशक्तिकरण की बदलती तस्वीर को बयां करती है।

पंचकूला के एकांश ने बनाया 'हैट्रिक' रिकॉर्ड : हरियाणा के लिए यह गौरवशाली क्षण है क्योंकि पंचकूला के एकांश ढुल ने टॉप-3 में जगह बनाई है। एकांश की यह सफलता इसलिए भी विशेष है क्योंकि उन्होंने लगातार तीसरी बार यूपीएससी की परीक्षा पास की है। वे दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के छात्र रहे हैं। एकांश के पिता हरियाणा भाजपा के वरिष्ठ नेता कृष्ण ढुल हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एकांश को फोन कर बधाई दी।

चयन का गणित...

आयोग द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष कुल 958 उम्मीदवारों को अनुशंसित किया गया है, जिनमें 659 पुरुष और 299 महिलाएं शामिल हैं।

- **श्रेणीवार चयन:** सामान्य वर्ग से 317, ईडब्ल्यूएस से 104,

ओबीसी से 306, एससी से 158 और एसटी वर्ग से 73 अभ्यर्थी सफल हुए हैं।

- **दिव्यांगजन:** विभिन्न श्रेणियों के कुल 42 दिव्यांग अभ्यर्थी भी इस प्रतिष्ठित सूची में स्थान पाने में सफल रहे हैं।
- **साक्षात्कार का दौर:** मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले कुल 2,736 अभ्यर्थियों को व्यक्तित्व परीक्षण (इंटरव्यू) के लिए बुलाया गया था, जिनमें से अंतिम मेरिट तैयार की गई है।

कर्नाटक में 16 वर्ष तक के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर लगेगी रोक

मोबाइल के बढ़ते उपयोग के प्रतिकूल प्रभावों से बच्चों को बचाने की कवायद

बंगलूरू/अमरावती (राजधानी चौपाल)| छोटे बच्चों पर सोशल मीडिया के खतरनाक असर के बीच कई राज्य इस पर सख्त पाबंदी की तैयारी में है। कर्नाटक सरकार ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल प्रतिबंधित करने का एलान किया है। ऐसा करने वाला पहला राज्य है। वहीं, आंध्र प्रदेश सरकार ने घोषणा की कि वह 90 दिनों के भीतर 13 साल तक के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर पाबंदी लगाएगी। गोवा भी इस पर गंभीरता से विचार कर रहा है।

कर्नाटक का 2026-27 का बजट पेश करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कहा, बच्चों पर मोबाइल फोन देखने की वजह से प्रतिकूल प्रभावों को रोकने के मकसद से 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल पर पाबंदी लगाई जाएगी। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि इसे कैसे लागू किया जाएगा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने विधानसभा में बताया कि 13 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने का सुझाव मिला है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि अगले 90 दिनों में प्रतिबंध उन्होंने यह भी कहा कि अगर सहमति बनती है, तो इस को लागू कर दिया जाए। प्रतिबंध को 13 से 16 वर्ष की आयु के बच्चों तक बढ़ाया जाएगा। गोवा के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रोहन खौंटे ने कहा, सरकार 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रही है।

क्रियान्वयन को लेकर आशंका

राज्य सरकारों की पहल का अभिभावकों व डॉक्टरों ने स्वागत किया है, पर क्रियान्वयन को लेकर आशंका जताई है। बंगलूरू निवासी दो किशोर बच्चों के पिता मनोहर एनएच का कहना है कि स्कूलों व कॉलेजों में पढ़ाई एप के जरिये होती है। ऐसे में सोशल मीडिया के उपयोग को नियंत्रित करना चुनौतीपूर्ण होगा। बंगलूरू के मदरहुड हॉस्पिटल में मनोविज्ञान और बाल विकास सलाहकार डॉ. सरिता नागराज ने कहा कि बच्चों में मानसिक स्वास्थ्य का खतरा कम हो जाएगा।

इक सवार तीन बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया, प्रवेश द्वार का शीशा टूटकर गिरा

पांच करोड़ की रंगदारी नहीं मिली तो कार शोरूम पर ताबड़तोड़ फायरिंग

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| पांच करोड़ की रंगदारी न देने पर सेक्टर-37 स्थित लग्जरी कारों के शोरूम बिग बॉय टॉयज (बीबीटी) पर शनिवार शाम को ताबड़तोड़ फायरिंग करने का मामला सामने आया है। इस दौरान करीब 16 गोलियां चलाई गईं।

विदेश में बैठे गैंगस्टर हिमांशु भाऊ ने इस हमले जिम्मेदारी ली है। फायरिंग में एक गोली इस शोरूम में चालक के पद पर कार्यरत एक व्यक्ति की बाजू को छूकर निकल गई। उसे निजी अस्पताल में दाखिल करवाया गया। शाम करीब सात बजे बाइक पर सवार होकर तीन युवक इस शोरूम के बाहर पहुंचे।

इनमें से दो युवक बाइक से उतरे। इसके बाद उन्होंने इस शोरूम पर गोलियां चलानी शुरू कर दी। गोली लगने के बाद इस शोरूम के प्रवेश पर लगा कांच का दरवाजा टूटकर बिखर गया। शोरूम के बाहर की दीवारों पर गोलियां लगी। शोरूम के अंदर खड़ी दो कार पर गोलियां लगी। जब युवकों की तरफ से गोलियां चलाई गई, उस समय इस शोरूम के अंदर कर्मचारी और ग्राहक थे।

गोलियों की आवाज सुनकर हड़कंप मच गया। कुछ लोग कार के पीछे छिप गए तो कुछ ने शोरूम के अंदर बने कार्यालयों में घुसकर अपने आपको सुरक्षित किया। करीब पांच

मिनट के बाद गोलियों का शोर खत्म हुआ।

बाइक सवार मौके से भाग निकले। इस गोलीबारी में इस शोरूम में चालक के पद पर कार्यरत राजस्थान के रहने वाले राजपाल के बाजू को छूकर गोली निकल गई। राजपाल को निजी अस्पताल में दाखिल करवाया गया। सूचना मिलने पर गुरुग्राम पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने इस शोरूम के बाहर लगे सीसीटीवी फुटेज को अपने कब्जे में ले लिया। राजपाल की शिकायत पर गोलियां चलाने वाले युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने आरोपियों की पहचान अतुल, दीपक और नीरज के रूप में की है। यह तीनों झज्जर के कुलासी गांव के रहने वाले हैं। इन तीनों के संभावित ठिकानों पर शनिवार देर रात और रविवार देर शाम तक गुरुग्राम पुलिस छापेमारी करती रही, लेकिन अभी तक यह हत्थे नहीं चढ़ सके हैं। बताया जा रहा है कि यह तीनों वारदात को अंजाम देकर कहीं दूर भाग गए हैं। इन युवकों के दोस्तों और परिजनों से गुरुग्राम पुलिस के अधिकारी पूछताछ कर रहे हैं।

डेढ़ वर्ष बीतने पर भी गिरफ्तारी नहीं : बताया जा रहा है कि अक्तूबर, 2024 में इस कार शोरूम के मालिक से इस गैंगस्टर ने पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी थी। शोरूम मालिक ने इस सिलसिले में थाना सेक्टर-37 में शिकायत दी थी। मामला दर्ज हो गया था, लेकिन डेढ़ साल बीतने के बावजूद इस मामले में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

मैसेज वायरल हो रहा

रविवार को सोशल मीडिया पर एक मैसेज वायरल हुआ है। इस मैसेज में गोलीबारी की जिम्मेदारी हिमांशु भाऊ और नीरज फरीदपुर की तरफ से ली गई है। यह दोनों गैंगस्टर फिलहाल विदेश में हैं। इन्होंने कहा कि लग्जरी शोरूम के मालिक को शायद उनकी बात समझ नहीं आई थी। अब समझ आ गई होगी। मैसेज में कहा गया कि भविष्य में भी इस शोरूम पर गोली चल सकती है। शोरूम में कार्यरत कर्मचारी और ग्राहक सावधान रहें। हालांकि, हिन्दुस्तान इस वायरल मैसेज की पुष्टि नहीं करता है।

▪ **पुलिस ठिकानों पर छापेमारी कर रही :** इस मामले में पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने कहा कि शोरूम पर गोलियां चलाने वाले युवकों की पहचान हो चुकी है। इनकी गिरफ्तारी के लिए टीम बनाई जा चुकी है। इनके संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। आरोपी जहां भी छिपे होंगे हम उन्हें ढूंढ निकालेंगे। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पचगांव चौक पर नमो भारत, मेट्रो और हरियाणा आर्बिटल रेल के स्टेशन प्रस्तावित

जयपुर हाईवे के पचगांव में मल्टी मॉडल कॉरिडोर बनाने की तैयारी

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| दिल्ली-जयपुर हाईवे स्थित पचगांव चौक पर मल्टी मॉडल कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) सलाहकार नियुक्त करेगा। गुरुवार शाम को सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव वी.उमाशंकर ने यह दिशा-निर्देश जारी किए।

दिल्ली में आयोजित बैठक में वी.उमाशंकर ने अधिकारियों से कहा कि पचगांव चौक पर भविष्य में यातायात काफी बढ़ जाएगा। ऐसे में इस चौराहे पर मल्टी मॉडल कॉरिडोर तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि दिल्ली के सराय काले खां से राजस्थान के शाहजहांपुर तक प्रस्तावित नमो भारत ट्रेन इस चौराहे से होकर निकलनी है। इस चौराहे पर नमो भारत स्टेशन प्रस्तावित है। हरियाणा मास रैपिड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (एचएमआरटीसी) की सेक्टर-56 से लेकर पचगांव तक मेट्रो संचालन की योजना है। पचगांव में मेट्रो का स्टेशन तैयार होगा। पचगांव के समीप से कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेसवे निकल रहा है। हरियाणा आर्बिटल रेल कॉरिडोर (एचओआरसी) के स्टेशन भी इस चौक पर प्रस्तावित है। मौजूदा समय में इस चौराहे पर यातायात अधिक है। इन सभी योजनाओं के क्रियान्वयन होने के बाद यातायात और अधिक बढ़ जाएगा। ऐसे में अभी से इन योजनाओं के मद्देनजर इस चौराहे पर मल्टी मॉडल कॉरिडोर का निर्माण किया जाए।

बैठक में वी.उमाशंकर ने कहा कि इस मल्टी मॉडल कॉरिडोर को एनएचएआई की बजाय जीएमडीए तैयार करेगा। इसके लिए जीएमडीए सलाहकार नियुक्त करेगा। एनएचएआई को एचएसआईआईडीसी, मानेसर नगर निगम या आसपास लगती किसी अन्य सरकारी एजेंसी की जमीन लेने में समय लगेगा। जीएमडीए को इसमें किसी तरह की दिक्कत नहीं आएगी। एक महीने के अंदर इस योजना को अमलीजामा पहनाने के लिए सलाहकार नियुक्त करने के दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

यह बैठक खेड़की दौला टोल प्लाजा के स्थानांतरण को लेकर बुलाई गई थी। एनएचएआई अधिकारियों ने इस बैठक में बताया कि पचगांव में टोल स्थानांतरण की योजना बनाई थी।

ग्रामीणों ने इस योजना पर आपत्ति जताई है। हाईवे के दोनों तरफ विकसित ग्रामीण क्षेत्रों के लिए यू-टर्न फ्लाईओवर प्रस्तावित किया था।

पचगांव मेट्रो की डीपीआर तैयार

सेक्टर-56 से लेकर पचगांव तक प्रस्तावित मेट्रो की डीपीआर तैयार हो चुकी है। करीब 35.5 किमी लंबी इस परियोजना के तहत 28 मेट्रो स्टेशन का निर्माण किया जाएगा। पहला स्टेशन सेक्टर-56 में रैपिड मेट्रो स्टेशन के समीप गोल्फ कोर्स रोड पर बनेगा। इसके बाद घाटा यातायात सिग्नल, सेक्टर-61, 62, नरवाना कंट्री, सेक्टर-66 होता हुआ अंतिम स्टेशन पचगांव में बनेगा।

जीएमडीए की कार्यप्रणाली पर नाराजगी : साल 2017 में जीएमडीए का गठन सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव वी.उमाशंकर ने किया था। सूत्रों के मुताबिक बैठक में वी.उमाशंकर ने जीएमडीए की मौजूदा कार्यप्रणाली पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि यह मुद्दे से भटक गया है। सिर्फ बारिश और गंदे पानी की निकासी तक यह सीमित रह गया है। जीएमडीए की योजनाओं में दूरदृष्टि, भविष्य की कल्पना या लक्ष्य का अभाव दिख रहा है।

मानेसर नगर निगम क्षेत्र में लगाए जाएंगे 2500 डस्टबिन

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| नगर निगम मानेसर द्वारा चलाए जा रहे विशेष स्वच्छता अभियान के तहत आईएमटी क्षेत्र में निरंतर सफाई हो रही है।

निगम की टीमें रोजाना सड़कों पर झाड़ू लगाकर कूड़ा उठा रही है। आयुक्त प्रदीप सिंह के आदेशानुसार चलाए गए अभियान का उद्देश्य निगम क्षेत्र को स्वच्छ और सुंदर बनाना है। संयुक्त आयुक्त हितेंद्र कुमार के नेतृत्व में विशेष स्वच्छता अभियान फरवरी माह से चल रहा है। निगम की सफाई शाखा के अधिकारी व कर्मचारी आईएमटी क्षेत्र को स्वच्छ रखने के लिए निरंतर मेहनत कर रहे हैं। हितेंद्र कुमार ने कहा कि स्वच्छता हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। औद्योगिक इकाइयां और नागरिक कूड़े को कूड़ेदान में ही डालें। निगम क्षेत्र में नगर निगम और औद्योगिक इकाइयों के सहयोग से 2500 कूड़ेदान लगाए जाएंगे, ताकि कूड़ा सड़कों पर न फैले।

नगर निगम क्षेत्र में सफाई व्यवस्था बनाए रखने के लिए आमजन से अपील करते हुए संयुक्त आयुक्त ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में घरों से कूड़ा उठाने के लिए आने वाली गाड़ियों में ही घरेलू कूड़ा डालें।

गीला कूड़ा (बायोडिग्रेडेबल) और सूखा कूड़ा (रिसाइकिलेबल) अलग-अलग रखें। कूड़ा उठाने वाली गाड़ियों में भी अलग-अलग डिब्बे में डालें। खुले में कूड़ा डालने वालों के खिलाफ नगर निगम सख्त कार्रवाई करेगा।

डिजिटल अरेस्ट कर बुजुर्ग से ढाई करोड़ कई खातों में डलवाए, डरें नहीं, पुलिस से शिकायत करें

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| एमजी रोड स्थित एस्सेल टावर के रहने वाले 74 वर्षीय एक बुजुर्ग को साइबर ठगों ने पांच दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखकर करीब 2.40 करोड़ रुपये ठग लिए। इस सिलसिले में थाना साइबर अपराध, पूर्व ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एस्सेल टावर की आईवरी कोर्ट तीन के फ्लैट नंबर 203 में बिरेंद्र कुमार नोटियाल रहते हैं। इस सोसाइटी में दूसरे फ्लैट में इनके दामाद रहते हैं। 23 फरवरी को बुजुर्ग के पास साइबर ठग की कॉल आई थी। साइबर ठग ने अपने आपको देश की इंफोर्समेंट एजेंसी का अधिकारी बताया। इसके बाद उसने इस बुजुर्ग को डरा धमकाकर डिजिटल अरेस्ट कर लिया।

बुजुर्ग को धमकाया गया कि अभी वह किसी से भी डिजिटल अरेस्ट का जिक्र नहीं करे। यदि ऐसा किया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। डर के चलते बुजुर्ग ने किसी को नहीं बताया। बुजुर्ग को 27 फरवरी तक इन साइबर ठगों ने डिजिटल अरेस्ट रखा। वीडियो कॉल पर कभी कोई साइबर ठग बनकर इस बुजुर्ग से बात करता था तो कभी कोई। इस तरह इस साइबर ठगों ने इस बुजुर्ग से करीब 2.40 करोड़ रुपये अपने खातों में ट्रांसफर करवा लिए। 27 फरवरी के बाद इस बुजुर्ग को कॉल आनी बंद हो गई।

बुजुर्ग ने इस घटना की जानकारी बाद में अपनी बेटी को दी। इसके बाद थाना साइबर अपराध, पूर्व में शिकायत दी गई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। जांच शुरू कर दी है। इस मामले में जांच अधिकारी संदीप कुमार ने बताया कि बुजुर्ग को डिजिटल अरेस्ट बोलकर साइबर ठगों ने 2.40 करोड़ रुपये की राशि को ठगा है। उन्होंने कहा कि बीएनएस में डिजिटल अरेस्ट कुछ नहीं होता है। इस सोसाइटी के रहने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि कुछ समय पहले ही बुजुर्ग इस सोसाइटी में रहने के लिए आए हैं। इनके दामाद पहले से इस सोसाइटी के दूसरे टावर में रहते हैं।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि देश की कोई भी जांच एजेंसी डिजिटल अरेस्ट नहीं करती है। यदि वीडियो कॉल पर पुलिस, सीबीआई, सीआईडी आदि के अधिकारी आ जाएं तो सब फर्जी होता है।

साइबर ठगी होने पर यहां शिकायत करें

साइबर ठगी होने पर जितना जल्दी शिकायत दर्ज कराएंगे, उतना धनराशि फ्रीज कराने में आसानी होगी। ठगी होने के 24 घंटे के भीतर टोल फ्री नंबर 1930 पर शिकायत अवश्य दर्ज करा दें।

न्यूज ब्रीफ

स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट पुरवेश का निधन दुखद : राव इंद्रजीत

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने असम के कार्बी आंगलोंग क्षेत्र में भारतीय वायु सेना के सुखोई सु 30 एमकेआई लड़ाकू विमान दुर्घटना हादसे में स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट पुरवेश दुरागकर के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि दोनों जांबाज देश की सेवा का जज्बा लिए हादसे का शिकार हो गए। स्क्वाड्रन लीडर अनुज वशिष्ठ (29 वर्ष) का परिवार मूलतः भिवानी जिले को रहने वाला है और वर्तमान में उनका परिवार गुरुग्राम के सेक्टर 22 बी में रह रहा है। उनके परिवार में पिता सूबेदार आनंद प्रकाश, माता अनिता देवी व एक छोटा भाई है। दिवंगत स्कवाड्रन लीडर ने अपनी शुरुआती पढ़ाई गुरुग्राम के सेक्टर 14 स्थित केंद्रीय विद्यालय से की थी और उसके उपरांत भारतीय वायुसेना ज्वाइन की थी। अनुज वशिष्ठ अभी अविवाहित थे और परिवार में उनकी शादी की तैयारियां चल रही थी।

महिला उद्यमियों और उनके सामाजिक प्रभाव का मनाया उत्सव

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में, नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट ने गुड़गांव में अपनी प्रमुख महिला-केंद्रित पहल ब्लू बिंदी के तहत वीमेन एंटखेन्योर्स (वी) बाजार 2026 के दूसरे संस्करण का आयोजन किया। अपने पहले संस्करण की सफलता को आगे बढ़ाते हुए, इस वर्ष देशभर के महिला नेतृत्व वाले व्यवसायों से 200 से अधिक आवेदन मिले। एक विस्तृत मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद, 20 महिला उद्यमियों को इस दिनभर चले आयोजन में अपने उद्यमों को प्रदर्शित करने के लिए चुना गया। इस अवसर पर राहुल जैन, अध्यक्ष और प्रमुख, नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट ने कहा कि नुवामा में हमारा मानना है कि महिलाओं को वित्तीय जानकारी और आत्मविश्वास से सशक्त बनाना एक दूरगामी सकारात्मक प्रभाव पैदा करता है। ब्लू बिंदी और वी बाजार 2026 जैसी पहलों के माध्यम से, हमारा उद्देश्य महिलाओं को अपनी वित्तीय यात्रा की कमान संभालने, सोच समझकर निवेश संबंधी निर्णय लेने और स्थायी संपत्ति बनाने में सक्षम बनाना है। वी बाजार 2026 उसी विजन का प्रतिबिंब है, यह उन महिलाओं का उत्सव है जो न केवल अपने भविष्य में निवेश कर रही हैं, बल्कि एक मजबूत और अधिक समावेशी आर्थिक व्यवस्था को आकार देने में भी योगदान दे रही हैं। छह साल पहले शुरू किया गया ब्लू बिंदी नुवामा का एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है। जो वित्तीय साक्षरता और आत्मविश्वास के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने पर केंद्रित है। कार्यशालाओं, डिजिटल कंटेंट और जमीनी गतिविधियों के जरिए यह पहल अबतक 10 लाख से अधिक महिलाओं तक पहुंच चुकी है।

नवरात्र के लिए मंदिरों में रंग-रोगन का काम शुरू

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| होली के बाद अब बाजारों से लेकर देवी मंदिरों में चैत्र नवरात्र की तैयारियां शुरू हो गई। मंदिरों की साफ-सफाई के साथ रंग-रोगन का कार्य किया जा रहा है। पूजन सामग्री के लिए बाजारों में चहल-पहल बढ़ गई है। बाजार में पूजन सामग्री की बिक्री बढ़ने लगी है। 19 मार्च से चैत्र नवरात्र शुरू हो रहा है। नौ दिन का व्रत रखने वाले लोग अभी से तैयारी करना शुरू कर दिए हैं। मंदिरों की साज-सज्जा का काम तेजी से चल रहा है। शहर के सदर बाजार में पूजन सामग्री की दुकानें सज गई हैं। पूजन सामग्री की दुकान पर महिलाओं ने जरूरत के हिसाब से पूजन सामग्री की खरीदी करने लगी है। इसमें माता रानी की चुनरी, सादा कलश और रंगीन कलश, माता रानी का श्रृंगार पैकेट, कुमकुम, मौली, नारियल, साफ चावल, पान, सुपारी, लौंग, इलायची, बताशे कपूर, घी आदि शामिल है।

चिंतपूर्णी मंदिर में विशेष तैयारी : शहर के प्राचीन शीतला माता मंदिर के अलावा चिंतपूर्णी, सुदर्शन, गुफा वाला मंदिर, बाबा प्रकाशपुरी समेत अन्य 156 मंदिरों में तैयारियां जारी हैं। यहां पर रंगाई-पुताई और सफाई का कार्य किया जा रहा है। शीतला माता मंदिर पर वले चैत्र मेले में नौ दिनों तक भक्तिमय जैसा माहौल रहेगा। यहां पर आसपास के जिलों से भी श्रद्धालु पहुंचेंगे। हर साल की तरह श्रद्धालुओं की संख्या भी सैंकड़ों में होगी।

डाक्टर के साथ अभद्रता निंदनीयः आईएमए

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| घरौंडा स्थित एक अस्पताल में मरीज के इलाज के दौरान पुलिस व चिकित्सकों के बीच हुई बहस व अभद्रता मामले ने तूल पकड लिया है। इंडियन मैडिकल एसोसिएशन ने मामले को गंभीरता से लेते प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर स्वास्थ्य हितों की रक्षा की गुहार लगाई है। आईएमए चिकित्सकों की मानें तो अस्पताल में चिकित्सक मरीजों का उपचार कर रहे थे। इस दौरान पुलिस केस से संबंधित एक मामले में डाक्टर के साथ अभद्रता की गई। डाक्टर द्वारा समझाए जाने के बाद भी पुलिस द्वारा अभद्रता की गई। बताया गया है कि मामले को लेकर पूरे प्रदेश के इंडियान मैडिकल एसोसिएशन से संबंधित चिकित्सक लामबंध हो गए। इतना ही नही मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। ज्ञात हो कि आईएमए समय समय पर चिकित्सकों की सुरक्षा व न्या को लेकर प्रदेश सरकार से मांग करता आया है। बावजूद इसके एक बार फिर से घरौंडा अस्पताल में चिकित्सक के साथ की गई अभद्रता पर चिकित्सकों को एक जुट कर दिया है। आईएमए हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष सुनिला सोनी ने बताया किसी भी हाल में डाक्टरों के साथ अनावश्यक पुलिसिया कार्रवाई बर्दास्त नही की जाएगी।

गर्मी ने दिखाए तेवर,पारा 30 डिग्री पार, आने वाले दिनों में पारा और बढ़ेगा

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| जिले में तपिश ने पिछले पांच वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, आज अधिकतम तापमान 34.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य औसत से कहीं अधिक है।

मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, रविवार को दर्ज किया गया तापमान न केवल इस साल का सबसे गर्म दिन रहा, बल्कि इसने 2021 के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया है। रविवार के दिन गुरुग्राम का पारा 34.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। यह सामान्य औसत (28.4 डिग्री) से 5.7 डिग्री सेल्सियस अधिक है। इससे पहले 8 मार्च 2021 को अधिकतम तापमान 34.0 डिग्री दर्ज किया गया था। अब 5 साल बाद यह रिकॉर्ड टूट गया है। बीती रात का न्यूनतम तापमान 14.7 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य औसत (14.0 डिग्री) से 0.7 डिग्री अधिक दर्ज किया गया है। महज 24 घंटे के भीतर गर्मी में बड़ा उछाल देखा गया है। शनिवार को शहर का अधिकतम तापमान 32.4 डिग्री सेल्सियस था, जिसमें रविवार को करीब 2 डिग्री की वृद्धि दर्ज की गई। मार्च के पहले पखवाड़े में ही मई या जून के महीने में महसूस की जाती है। धूप के कारण दोपहर में शहर की सड़कों, पार्कों और सार्वजनिक स्थलों पर सन्नाटा रहा।

मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि राहत के आसार फिलहाल नजर नहीं आ रहे हैं। अगले 10 दिनों के दौरान तापमान में और अधिक बढ़ोतरी होने का अनुमान है। आसमान साफ रहने और खुश्क हवाओं के कारण दिन का पारा 36 से 37 डिग्री तक भी पहुंच सकता है। विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि लोग दोपहर के समय सीधे धूप के संपर्क में आने से बचें और शरीर में पानी की कमी न होने दें। अचानक बढ़ी इस गर्मी ने कृषि और स्वास्थ्य दोनों मोर्चों पर चिंता बढ़ा दी है।

गांव गढ़ी वाजिदपुर में बिजली की चोरी पकड़े जाने पर जब्त मीटर छीन ले गए

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| गांव गढ़ी वाजिदपुर में बिजली की चोरी पकड़ने गई टीम को एक महिला ने कुछ ग्रामीणों की मदद से घेर लिया। इसके बाद जब्त बिजली मीटर को छीन लिया। इस सिलसिले में थाना भोंडसी में मामला दर्ज हुआ है।

डीएचबीवीएन के उपमंडल अभियंता मुकेश गौड़ ने शिकायत में कहा कि शनिवार को गांव गढ़ी वाजिदपुर में बिजली विभाग की टीम ने एक घर पर छापा मारा था। इस दौरान बिजली चोरी पकड़ी गई। बिजली मीटर को जब्त कर लिया। इतनी देर में इस घर से पूनम बाहर निकल गई। इसने विरोध शुरू कर दिया। इस दौरान अजय, संदीप, प्रदीप, नवल आदि एकत्रित हो गए। इन्होंने बिजली टीम को घेर लिया।

पूनम ने बिजली मीटर इस टीम ने छीन लिया। इस टीम में कनिष्ठ अभियंता सोहन लाल, जाहिद, एलएम प्रेमपाल, एएलएम रतिराम और मुख्य सिपाही अशोक कुमार शामिल थे। पुलिस ने इन लोगों के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज कर लिया है।

सरकारी कार्यालयों में अब कॉर्पोरेट की तरह काम होंगे

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| इस माह के आखिरी हफ्ते से सरकारी दफ्तरों में धूल फांकती फाइलें और काम के लिए साहब का इंतजार करने वाली पुरानी तस्वीर देखने को नहीं मिलेगी। प्रदेश सरकार गुरुग्राम और फरीदाबाद के सरकारी कार्यालयों को बड़ी निजी कंपनी के कॉर्पोरेट ऑफिस की तरह आधुनिक बनाने जा रही है। हर काम एक क्लिक पर होगा। अक्सर लोग शिकायत करते हैं कि उनकी फाइल एक दफ्तर से दूसरे दफ्तर के बीच कहीं खो गई या किसी मेज के नीचे दबी रह गई। इस समस्या को खत्म करने के लिए मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगियों की टीम ने ई-ऑफिस सिस्टम को अनिवार्य करने का रोडमैप तैयार किया है। अब सरकारी फाइलें फिजिकल रूप में नहीं, बल्कि कंप्यूटर के जरिए एक अधिकारी से दूसरे अधिकारी तक पहुंचेंगी। इससे आम जनता को यह पता चल सकेगा कि उनकी फाइल किस अधिकारी के पास और कितने समय से रुकी हुई है। वहीं जो शिकायतें ऑनलाइन दर्ज होंगी उनका भी तय समय पर अधिकारियों को समाधान करना होगा। मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी टीम की सर्वे रिपोर्ट में खुलासा हुआ था कि डिजिटल जमाने में भी गुरुग्राम और फरीदाबाद के सरकारी कार्यालयों में अधिकारी-कर्मचारी कागजों में अवकाश ले रहे हैं। यह मामला मुख्यमंत्री तक पहुंचा था। अब नए सिस्टम के तहत सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को मानव संसाधन प्रबंधन पोर्टल पर अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी।

रिपोर्ट में खुलासा, गुरुग्राम जिले में 13 हजार इकाइयां पंजीकृत

जिले में फायर एनओसी के बिना 42% उद्योग चल रहे

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| जिले में 42 फीसदी उद्योग बिना फायर एनओसी (अग्नि अनापत्ति प्रमाण पत्र) के चल रहे हैं। इसका खुलासा उद्योग विभाग की रिपोर्ट में हुआ है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि किसी उद्योग द्वारा एनओसी नहीं लेने के बाद भी उसके खिलाफ अग्निशमन विभाग कार्रवाई नहीं करता है। केवल उन्हें सूचित करता है। यही कारण है कि गुरुग्राम में उद्योग एनओसी लेने के लिए आनाकानी करते हैं। गुरुग्राम के उद्योग विहार, सेक्टर-37, बसई, कादीपुर, दौलताबाद, बहरामपुर, मानेसर औद्योगिक क्षेत्र में 13 हजार इकाइयां पंजीकृत हैं। इनमें से 42 फीसदी उद्योगों ने एनओसी नहीं ली है। यह उद्योग बिना फायर की एनओसी के चल रहे हैं। उद्योग विभाग के रिपोर्ट के अनुसार कई बार उद्यमी सिर्फ बैंकों से लोन के लिए एनओसी लेते हैं। तीन साल के लिए फायर एनओसी मिलती है। इसके बाद एनओसी का नवीनीकरण नहीं कराया जाता है। इससे औद्योगिक क्षेत्र में आगजनी के बचाव के उपाय कम हो जाते हैं।

एनओसी देने से कर दिया जाता है इनकार : औद्योगिक क्षेत्र उद्योग विहार में 200 से अधिक औद्योगिक इकाइयों के पास फायर एनओसी नहीं है। आयुध डिपो के 900 मीटर क्षेत्र में होने के कारण इन इकाइयों को फायर एनओसी नहीं दी जाती है। उद्यमियों ने कहा कि वर्षों पहले हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण और एचएसआईडीसी के प्लॉट खरीदकर औद्योगिक इकाइयां स्थापित की गई थीं। उद्योगों के आयुध डिपो के दायरे में होने का हवाला देकर फायर एनओसी समेत अन्य जरूरी अनुमति नहीं दी जा रही है। वहीं, दौलताबाद औद्योगिक क्षेत्र के उद्यमी हरीश गुप्ता और पवन जिंदल ने कहा कि उद्योग विभाग ने कई बार सर्वे किया, लेकिन सुविधा के लिए कोई कारगर कदम नहीं उठाए गए। फायर विभाग से एनओसी तक नहीं दिलाई जाती है।

उद्योगों के लिए मानदंड : दमकल विभाग की अनुसार आग लगने की घटना से बचाव के लिए पांच सौ वर्ग मीटर में फैले उद्योग में 25 हजार लीटर के पानी का टैंक, फोम और होज रील होना जरूरी है।

सांसद शैलजा ने शिक्षा और राजनीतिक भागीदारी के माध्यम से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को शहर के दस से अधिक स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। धनकोट गांव में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में पहुंची सांसद कुमारी शैलजा ने कहा कि देश और समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

धनकोट गांव में आयोजित सम्मान समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाशाली छात्राओं और महिलाओं को सम्मानित किया। जिन्होंने शिक्षा, सामाजिक कार्य और अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किया है। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंची सांसद कुमारी शैलजा ने कहा कि महिलाओं को शिक्षा, आत्मनिर्भरता और राजनीतिक भागीदारी के माध्यम से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को राजनीति और समाज में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

दस प्रतिभाशाली बेटियों-महिलाओं का सम्मानः रविवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर धनकोट के बरात घर में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सैकड़ों महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद कुमारी शैलजा, एआईसीसी सचिव सुभाषिनी विशिष्ट अतिथि, हरियाणा प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष पर्ल चौधरी भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। इसमें महिलाओं के स्वास्थ्य, जागरूकता और सशक्तिकरण को केंद्र में रखते हुए कई गतिविधियां हुईं। निःशुल्क नेत्र जांच, दंत चिकित्सा जांच तथा स्वास्थ्य परामर्श शिविर भी लगाया गया। इसमें दस प्रतिभाशाली बेटियों और महिलाओं को उनके उत्कृष्ट कार्यों और उपलब्धियों के लिए मंच से सम्मानित कर पुरस्कार प्रदान किए गए। कांग्रेस ग्रामीण महिला जिलाध्यक्ष शैलजा भाटिया ने कहा कि महिलाओं का समाज की तरक्की, परिवार की मजबूती और मुल्क के विकास में बेहद अहम योगदान है।

संगीतमय संध्या का आयोजनः अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मानेसर के एफएमआरआई ने शक्ति नामक एक विशेष कैंडललाइट कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें 500 से अधिक महिलाएं, स्वास्थ्य क्षेत्र के दिग्गज और उनके परिवार शामिल हुए। सभी के लिए कृतज्ञता और आत्म-चिंतन का एक साझा पल बन गया।

इस संगीत संध्या में नबील खान ने सारंगी वादन प्रस्तुत किया। बारीकियों को प्रतिध्वनित करने के लिए विख्यात सारंगी ने शक्ति की भावना के अनुरूप महिलाओं की अंतर्निहित सौम्यता तथा भावनात्मक गहराई को बखूबी प्रस्तुत किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से लोगों का मन मोहा

सेक्टर-69 के ट्यूलिप येलो सोसायटी में पहली बार अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सोसायटी की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और विभिन्न सांस्कृतिक व मनोरंजक कार्यक्रमों के माध्यम से इस दिन को उत्साहपूर्वक मनाया। महिलाओं के लिए कई गतिविधियों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। वहीं विश्व शांति केंद्र की ओर से जैन आचार्य लोकेशजी प्रेरणा से निःशुल्क योग शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में 31 यूनिट रक्त एकत्रित किया : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर हरियाणा राज्य रक्त संचरण परिषद तथा स्वास्थ्य विभाग की ओर से सेक्टर-10 जिला नागरिक अस्पताल में विशेष रक्तदान शिविर लगाया गया।

सिविल सर्जन डॉ. लोकवीर सिंह ने कहा कि शिविर के दौरान कुल 35 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया, जो जरूरतमंद मरीजों के उपचार में उपयोगी साबित होगा। उन्होंने रक्तदान करने वाले सभी दानदाताओं का आभार व्यक्त किया। ऐसे प्रयास समाज में मानवता और सेवा की भावना को मजबूत करते हैं।

अब सरकारी दफ्तरों के चक्करों से मिली मुक्ति, एक ही छत के नीचे मिल रही हैं सभी सुविधाएं

क्षेत्र के निवासियों के लिए बड़ी राहत, अब घर बैठे भरवाएं सरकारी फॉर्म, डिजिटल क्रांति को सीधे ग्रामीणों के घर तक पहुँचाने का बीड़ा उठाया

मंडी आदमपुर (राजधानी चौपाल) | अब सरकारी योजनाओं का लाभ उठाना और भी आसान हो गया है। नागरिक सेवा केंद्र (अटल सेवा केंद्र) ने डिजिटल क्रांति को सीधे ग्रामीणों के घर तक पहुँचाने का बीड़ा उठाया है।

बड़ी सुविधाः घर बैठे ऑनलाइन फॉर्म की सेवा

क्षेत्र के लोगों की व्यस्तता और सुविधा को देखते हुए केंद्र संचालक गौरव सैनी ने घोषणा की है कि अब नागरिक किसी भी सरकारी योजना या नौकरी का फॉर्म घर बैठे भी भरवा सकते हैं। इसके लिए आपको बस दिए गए हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करना होगा, जिससे आपका समय और शहर जाने का किराया दोनों बचेंगे।

बैंकिंग और पेंशन के लिए अब कहीं आने-जाने की जरूरत नहीं

अब बैंक की लंबी लाइनों में लगने की जरूरत नहीं है। अब काबरेल के निवासियों को पेंशन निकलवाने या बैंक के छोटे कामों के लिए आदमपुर या हिसार के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे।

केंद्र पर किसी भी बैंक का पैसा आधार कार्ड के जरिए तुरंत निकाला और जमा किया जा रहा है। यहाँ आयुष्मान भारत (गोल्डन कार्ड) के तहत 5 लाख तक के मुफ्त इलाज के कार्ड भी प्राथमिकता पर बनाए जा रहे हैं। इस केंद्र पर किसी भी बैंक का पैसा केवल आधार कार्ड के जरिए निकाला और जमा किया जा रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि घर के पास बैंकिंग सुविधा मिलने से समय और पैसा दोनों की बचत हो रही है।

हमारा प्रयास है कि हर परिवार को सरकारी सुविधाओं का लाभ बिना किसी परेशानी के मिले। घर बैठे फॉर्म भरने की सुविधा इसी दिशा में एक कदम है।'' -वीएलई गौरव सैनी।

हमारा लक्ष्य हर नागरिक को सरकारी योजनाओं का लाभ उनकी चौखट तक पहुँचाना है। कम समय और सही मार्गदर्शन ही हमारी पहचान है।'' -गौरव सैनी, केंद्र संचालक।

संपर्क सूत्र

पताः नागरिक सेवा केंद्र (CSC - अटल सेवा केंद्र), गांवः काबरेल, तहसीलः आदमपुर, जिलाः हिसार (हरियाणा)

मोबाइलः 82959-70192, 94994-90694

▪ **विशेषः सभी प्रकार के ऑनलाइन फॉर्म अब घर बैठे भरवाएं।**

एक ही छत के नीचे 750+ सेवाएं

केंद्र पर हरियाणा परिवार पहचान पत्र, जाति व आय प्रमाण पत्र, बुढ़ापा व विधवा पेंशन, पैन कार्ड, और पुलिस वेरिफिकेशन जैसी तमाम सेवाएं उपलब्ध हैं। साथ ही, ICICI, HDFC और SBI के सहयोग से पर्सनल लोन, HOME LOAN और इंश्योरेंस की सुविधा भी दी जा रही है।

आयुष्मान कार्ड और पेंशन योजनाओं का मिल रहा सीधा लाभ

केंद्र संचालक ने बताया कि सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' के तहत 5 लाख तक के मुफ्त इलाज वाले आयुष्मान कार्ड (गोल्डन कार्ड) का पंजीकरण यहाँ प्राथमिकता पर किया जा रहा है। इसके अलावा बुढ़ापा, विधवा और विकलांग पेंशन के लिए भी बुजुर्गों को अब भटकना नहीं पड़ रहा।

चाहे हरियाणा परिवार पहचान पत्र हो, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र या फिर जाति और आय प्रमाण पत्र—हर सभी ऑनलाइन फॉर्म और सरकारी दस्तावेज पूरी पारदर्शिता के साथ तैयार किए जाते हैं। होम लोन, पर्सनल लोन, KCC लोन जैसी तमाम विशेष सुविधा भी उपलब्ध है।

धाम किसी व्यक्ति विशेष की जागीर नहीं

चौ. छोटूराम धाम जसिया पर सर्व हरियाणा सर्वखाप पंचायत का आयोजन

हिसार (राजधानी चौपाल) | चौ. छोटूराम धाम, जसिया में आज प्रातः सर्व हरियाणा सर्वखाप पंचायत का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता हुडा खाप के प्रधान ओम प्रकाश हुड्डा ने की। बैठक में समस्त हरियाणा की लगभग 70 खापों ने भाग लिया। सभी खापों के प्रधानों के विचार सुनने के बाद सर्वसम्मति से हजारों लोगों की उपस्थिति में एकमत से अनेक प्रस्ताव पारित किए गए। पंचायत की जानकारी देते हुए जाट सेवा संघ, जसिया के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चेयरमैन ने बताया कि इन प्रस्तावों में वर्तमान कार्यकारिणी जिसके चेयरमैन रणधीर सिंह कढ़ोदा है, पिछले लगभग 4 साल से कार्यकारिणी काफी अच्छा कार्य कर रही है। इनके कार्यकाल में धाम पर काफी अच्छे कार्य पूरी ईमानदारी से किए गए हैं। इस कार्यकारिणी को अपने कार्यकाल जून 2027 तक अपना कार्य करते रहना चाहिए। यह धाम पूरे देश के जाट समाज का है। अतः यह किसी भी व्यक्ति विशेष की जागीर नहीं होनी चाहिए। धाम की ट्रस्ट डीड में जो सेटलर शब्द जोड़ा गया है, इसका मतलब है धाम का मालिक, जो कि इस संपत्ति को बेच सकता है, गिरवी रख सकता है। इस पर ऋण ले सकता है, इस शब्द को हटाकर एक पारदर्शी डीड बनानी चाहिए। ट्रस्ट डीड को पारदर्शी बनाने के लिए इसमें और भी कई संशोधन आवश्यक हैं जैसे धाम का रजिस्ट्रेशन दिल्ली की बजाये रोहतक में होना अनिवार्य है ताकि इसका पता जसिया धाम का हो न कि नांगलोई की दुकान का। ट्रस्ट डीड में टोटल ट्रस्टियों की संख्या निर्धारित होनी चाहिए। ट्रस्टी का चुनाव किस आधार पर हो, यह स्पष्ट होना चाहिए। कुछ अन्य जरूरी संशोधन जिससे ट्रस्ट डीड को पूर्णतया पारदर्शी बनाने के लिए आवश्यक हो।

सतीश चेयरमैन ने बताया कि इसके लिए हुडा खाप के प्रधान की अध्यक्षता में एक 21 सदस्यीय कमेटी का गठन किया जाए, जिसमें समाज के बुद्धिजीवी शामिल हो जो पूर्ण विचार विमर्श करके दो महीने में अपनी रिपोर्ट देगी। समाज के सभी सदस्यों को अधिकार होगा, कि वह संशोधन के संबंध में अपने विचार लिखकर कमेटी के सामने रख सकते हैं जिनके आधार पर ट्रस्ट डीड को अंतिम रूप से संशोधित कर पारदर्शी बनाया जाएगा। हमारे समाज में किसी भी धार्मिक समारोह, शादी समारोह या अन्य किसी भी तरह की खुशी के आयोजन में गौशाला, मंदिर के लिए दान दक्षिणा देने की परंपरा है। इस परंपरा में छोटूराम धाम को भी शामिल करने का प्रस्ताव है। यह धाम जाट समाज की किसी भी मीटिंग के लिए इसका प्रांगण हमेशा उपलब्ध रहेगी लेकिन राजनीतिक रैली करने की अनुमति नहीं होनी चाहिए। चुनी हुई कार्यकारिणी के काम में अगर कोई तत्व व्यवधान उत्पन्न करने की कोशिश करेगा, तो ऐसे तत्वों को समाज सहन नहीं करेगा। ऐसे तत्वों का धाम में प्रवेश वर्जित रहेगा। जाट महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक बल्हारा ने कहा कि वे भविष्य में जाट सेवा संघ का कोई भी पद नहीं लेंगे। लेकिन छोटू राम धाम के लिए सदैव तन मन धन से साथ रहेंगे।

ओएसजीयू में धूमधाम से मनाया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

हिसार (राजधानी चौपाल) | ओम स्टर्लिंग ग्लोबल विश्वविद्यालय में शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गिव टू गेन की थीम पर आयोजित कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाने वाली लगभग 60 महिलाओं को आमंत्रित किया गया।

विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. पुनीत गोयल और प्रो-चांसलर डॉ. पूनम गोयल ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई दी। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. वंदना पूनिया व डॉ. सरिता कालरा ने महिलाओं को अपने स्वास्थ्य व अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। कुलपति डॉ. एनपी कौशिक, प्रति कुलपति डॉ. राजेंद्र सिंह छिल्लर व रजिस्ट्रार डॉ. सत्यवीर ने कहा कि आज के युग में महिलाएं केवल पुरुषों के साथ कदम से कदम मिलाकर ही नहीं चल रही हैं, बल्कि कई क्षेत्रों में नेतृत्व भी कर रही हैं। कार्यक्रम के संचालक एप्लाइड साइंस की डीन डॉ. रेनू शर्मा व लीगल विभाग की डीन डॉ. नीलम सिहाग रहे। मंच का संचालन डिप्टी डायरेक्टर व ज्यूडिशियरी एडवोकेट नीरज तनेजा और डॉ. दीपा खन्ना ने किया।

न्यूज ब्रीफ

मनु चौधरी महाराजा सूरजमल की प्रतिमा के अनावरण समारोह का निमंत्रण देने सोरखी पहुंचे

हांसी (राजधानी चौपाल) | अंतर्राष्ट्रीय जाट संसद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनु चौधरी दांतल ने कहा है कि महाराजा सूरजमल की प्रतिमा का अनावरण 29 मार्च को उत्तर प्रदेश के मेरठ में हितकारी किसान इंटर कॉलेज, सकौती टांडा में किया जाएगा। मनु चौधरी दांतल अनावरण कार्यक्रम के लिये हरियाणा में समाज के लोगों को निमंत्रण देने आये थे। गांव सोरखी में आम आदमी पार्टी, हांसी के जिला अध्यक्ष राजेन्द्र सोरखी के प्रतिष्ठान सोरखी इंडस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड पर हांसी व आसपास के क्षेत्रों से जाट समाज के प्रतिनिधियों को निमंत्रण देने के लिये बैठक का आयोजन किया गया। उनके साथ जाट संसद के राष्ट्रीय सचिव प्रदीप बामल भी थे। आप के जिला अध्यक्ष राजेन्द्र सोरखी ने आये हुए अतिथियों व जाट प्रतिनिधियों का स्वागत किया। बैठक में सैंकड़ों लोगों को संबोधित करते हुए मनु चौधरी दांतल ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय जाट संसद ने उत्तर प्रदेश में सबसे बड़ी महाराजा सूरजमल की प्रतिमा का निर्माण करवाया गया है। 29 मार्च को प्रातः 10 बजे पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान मुख्यातिथि के रुप में प्रतिमा का अनावरण करेंगे। अध्यक्षता राजस्थान के पूर्व मंत्री विश्वेंद्र सिंह करेंगे। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए मनु चौधरी दांतल ने बताया कि अनावरण समारोह में केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी, नागोर के सांसद हनुमान बैनीवाल, पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधी बीरेन्द्र सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान, हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, कैराना के पूर्व सांसद चौ. हरपाल सिंह पंवार, उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य मोहित बैनीवाल व अंतर्राष्ट्रीय जाट संसद के संस्थापक अध्यक्ष रामावतार पलसानिया विशिष्ट अतिथि के रुप में उपस्थित होंगे।

राजन आंखों के अस्पताल में निःशुल्क कैंप आयोजित, 52 रोगियों को जांचा

हांसी (राजधानी चौपाल) | गुरुद्वारा सिंह सभा के नजदीक मेन रोड़ पर स्थित राजन आंखों के अस्पताल में आंखों की निःशुल्क जांच के लिए कैंप आयोजित किया गया। कैंप में आए रोगियों की जांच नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर राजन अग्रवाल ने की। कैंप में 52 रोगियों की जांच कर उन्हें उचित परामर्श दिया गया। डॉ. राजन अग्रवाल ने बताया कि उनके अस्पताल में हरियाणा सरकार, बीएसएनएल एवं सभी पैनल के लिए कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध है।

आचार्य गगन ने सोहम ध्यान की गहन साधना करवाई

हिसार (राजधानी चौपाल) | समर्थगुरु धारा संघ के तत्वाधान में आज हिसार संघ द्वारा साप्ताहिक संडे ध्यान सत्र का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में साधकों ने भाग लिया और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया। कार्यक्रम का संचालन आचार्य गगन द्वारा किया गया, जिन्होंने उपस्थित साधकों को सोहम ध्यान की गहन साधना करवाई। आचार्य गगन ने बताया कि "सोहम" एक प्राचीन आध्यात्मिक मंत्र है, जिसका अर्थ है- "मैं वही हूँ" अर्थात आत्मा और परमात्मा की एकता का अनुभव। सोहम ध्यान श्वास के साथ किया जाने वाला एक सहज और प्रभावशाली ध्यान है। श्वास अंदर लेते समय मन ही मन "सो" का उच्चारण और श्वास बाहर छोड़ते समय "हम" का स्मरण। इस प्रक्रिया से साधक का मन वर्तमान क्षण में स्थिर होता है और भीतर की शांति जागृत होती है। आचार्य गगन ने समझाया कि नियमित अभ्यास से तनाव, चिंता और मानसिक अशांति में कमी आती है तथा आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा में वृद्धि होती है।

रसोई गैस की कीमतों में बढ़ोतरी से आम जनता पर पड़ी महंगाई की मार : बृज लाल बहबलपुरिया

हिसार (राजधानी चौपाल) | जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण हिसार के अध्यक्ष बृजलाल बहबलपुरिया और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य राजेश संदलाना ने रसोई गैस की बढ़ती कीमतों और लगातार बढ़ती महंगाई को लेकर केंद्र की सरकार पर तीखा प्रहार किया। बृजलाल बहबलपुरिया ने कहा कि मोदी सरकार के शासन में महंगाई लगातार बढ़ रही है और इसका सबसे बड़ा असर आम आदमी की जेब पर पड़ रहा है। घरेलू रसोई गैस सिलेंडर में 60 रुपये और व्यावसायिक एलपीजी में 115 रुपये की बढ़ोतरी से आम परिवार और छोटे व्यापारियों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ा है। राजेश संदलाना ने कहा कि आज आम परिवार के लिए रोजमर्रा की रसोई चलाना भी कठिन हो गया है।

खेलकूद प्रतियोगिता बीए तृतीय वर्ष एकता बनी सर्वश्रेष्ठ एथलीट, रस्साकसी में बीए तृतीय की टीम ने मारी बाजी

मंडी आदमपुर (राजधानी चौपाल) | गुरु द्रोणाचार्य गर्ल्स कॉलेज में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कालेज के चेयरमैन भूपसिंह ज्याणी ने की। प्रतियोगिता के विभिन्न मुकाबलों में छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया। 100 व 200 मीटर दौड़ में एकता ने प्रथम स्थान हासिल किया। 400 मीटर दौड़ में बस्कर प्रथम रही। लंबी कूद में रीतू ने पहला तथा ऊंची कूद में प्रीति विजेता रही। डिस्कस थ्रो और शाटपुट प्रतियोगिता में संजना ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। रिले रेस में बीए द्वितीय वर्ष की टीम प्रथम रही, जबकि रस्साकसी प्रतियोगिता में बीए तृतीय वर्ष की टीम ने जीत हासिल की। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए एकता बीए तृतीय वर्ष को सर्वश्रेष्ठ एथलीट के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कालेज के निदेशक अजय ज्याणी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा खेलकूद जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना का विकास करते हैं। प्राचार्या डॉ. अमिता ग्रेवाल ने कहा कि खेलकूद प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने छात्राओं को खेलों के माध्यम से स्वस्थ जीवन शैली अपनाने और अपने लक्ष्य की ओर निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा दी। उप-प्राचार्या सुनीता रहेजा ने छात्राओं के उत्साह और प्रतिभा की सराहना की। अंत में विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

व्यापारियों की समस्याओं को ने सुना, समाधान करने का मेयर पोपली ने दिया आश्वासन

हिसार (राजधानी चौपाल) | नई अनाज मंडी स्थित 51 नंबर दुकान पर मेयर प्रवीण पोपली, संजीव गंगवा और मार्केट कमेटी के चेयरमैन रविंदर रोकी ने व्यापारियों की समस्याओं को जाना और सभी मुद्दों का तुरंत समाधान करने का भरोसा दिया। यह बैठक द ग्रीन मर्चेंट एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित की गई।

बैठक में व्यापारियों ने ढुलाई, सुरक्षा, पार्किंग और अन्य व्यवस्थाओं से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से रखा। मेयर प्रवीण पोपली और मार्केट कमेटी के अधिकारियों ने कहा कि व्यापारियों की सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाएगा और किसी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी। इस अवसर पर ग्रीन मर्चेंट एसोसिएशन के नवनिर्वाचित प्रधान मांगेराम रालवासिया, महाराजा अग्रसेन स्कूल के प्रधान मोहन लाल बालकिया, महाराजा अग्रसेन अस्पताल ट्रस्ट के प्रधान शिवकुमार गोयल, श्री सत्यनारायण शिव मंदिर के प्रधान अनूप गोयल, हरियाणा स्टेट अनाज मंडी स्टेट प्रधान रामअवतार तायल और उप प्रधान पवन गर्ग ने स्वागत किया। बैठक में हैफेड डीएम अनुराग, मार्केट कमेटी सेक्रेटरी भरत शर्मा, एक्सईएन आनंद कुमार, बीजेपी मंडल अध्यक्ष दीपक अग्रवाल, नगर निगम और मार्केट कमेटी के अधिकारी तथा समस्त अनाज मंडी के व्यापारी मौजूद रहे। मंच संचालन सत्यपाल अग्रवाल ने किया।

बीडी मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने किया ओलंपियाड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन

हिसार (राजधानी चौपाल) | बीडी मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में इंटरनेशनल स्तर पर आयोजित गणित व अंग्रेजी विषय की ओलंपियाड परीक्षा में विद्यार्थियों ने स्वर्ण, रजत व कांस्य पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय की शानदार सफलता पर उन्हें बधाई देते हुए विद्यालय की प्रधानाचार्या अंजू अरोड़ा ने कहा कि विद्यार्थियों की यह उपलब्धि न केवल उनके परिश्रम और ज्ञान के प्रति समर्पण को दर्शाती है बल्कि यह विद्यालय के उच्च शैक्षिक मानकों और शिक्षकों के उत्कृष्ट मार्गदर्शन का भी प्रमाण है। इस परीक्षा में विद्यालय की चौथी कक्षा की भाविका प्रथम, कशिश द्वितीय व मानव तृतीय स्थान पर रहा। कक्षा पांचवी से गर्वित प्रथम, ख्वाहिश द्वितीय व आयुष तीसरे स्थान पर, कक्षा छठी से दक्ष गोदारा प्रथम, दीपांशु द्वितीय व सिरत तृतीय स्थान पर, कक्षा सातवीं से वंशिका प्रथम, कुसुम द्वितीय व बकुल तृतीय स्थान पर रहे। कक्षा आठवीं से चैतन्य प्रथम, दिव्या द्वितीय व राघव तृतीय स्थान पर, कक्षा नौवीं से कमल प्रथम, भावेश द्वितीय व गौरव तृतीय स्थान पर, कक्षा दसवीं से दीपाली प्रथम, मोहित द्वितीय व विशाल तृतीय स्थान पर रहे। प्रधानाचार्या ने विद्यार्थियों को मेडल पहनाकर बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनकी मेहनत, जिज्ञासा और सीखने की इच्छा शक्ति का परिणाम है। विद्यालय की डायरेक्टर डॉक्टर आस्था भुटानी ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि सभी विद्यार्थी इसी तरह आगे बढ़ते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहेंगे।

हो रयो बाबा की नगरी में केसर चंदन को श्रृंगार...भजन पर झूमे श्रद्धालु

मंडी आदमपुर (राजधानी चौपाल) | आदमपुर की राज सिनेमा मार्केट में श्री श्याम परिवार ट्रस्ट द्वारा आयोजित 2 दिवसीय श्रीश्याम महोत्सव में भक्तजन देर रात तक झूमते रहे। श्री श्याम महोत्सव का शुभारंभ आदमपुर विधायक चंद्रप्रकाश जांगड़ा ने दीप प्रज्वलित कर किया। अध्यक्षता समाजसेवी प्रदीप बेनीवाल, रणवीर शर्मा कालू पंडित, पवन खारिया, घीसाराम जैन, सतबीर जिंदल, गौरव सिंगला, श्याम-निरंजन बंसल, वरुण गर्ग ने की। हिसार से पहुंचे भजन गायक केशव गर्ग ने गणेश वंदना, सरस्वती वंदना के बाद बाला जी महाराज व श्याम वंदना के साथ महोत्सव का आगाज किया। बाद में जयपुर से पहुंची उमा लहरी ने भजनों की ऐसी तान छेड़ी की श्रद्धालु देर रात तक झुमते रहे। महोत्सव के दौरान बाबा का खीचड़ा का प्रसाद, केसर की खीर, भव्य दरबार, श्रृंगार व साज सज्जा मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा।

भगवान ने हमें सोचने व समझने की शक्ति दी है, इसका सही प्रयोग करना चाहिए : संजीव

विशेष बैंड बाजे के साथ निकली बाबा बालकनाथ के झंडों की शोभा यात्रा

हिसार (राजधानी चौपाल) | तरसेम नगर स्थित मंदिर सिद्ध बाबा बालकनाथ व दुर्गा माता मंदिर की झंडे की 57वीं वार्षिक शोभा यात्रा सुबह मंदिर प्रांगण से शुरू हुई। शोभा यात्रा का शुभांरभ विशेष बैंड के साथ हुआ। इस दौरान मंदिर प्रांगण 'जय बाबे दी' व 'जय माता दी' के जयघोष से गूंज उठा। मंदिर के मुख्य सेवक रामचरण गुप्ता ने बताया कि भगत संजीव कुमार महाराज सुबह 7 बजे श्रद्धालुओं के साथ मंदिर प्रांगण से झंडा फेरी के साथ रवाना हुए। इस दौरान भगत संजीव कुमार महाराज ने श्रद्धालुओं के घरों में बाबा जी की ज्योत प्रज्जविलत की।

शोभा यात्रा तरसेम नगर, मिल गेट, नई सब्जी मंडी, जहाज पुल चौक, पड़ाव चौक, राजगुरु मार्केट, नागोरी गेट से लाहौरिया चौक, 12 क्वार्टर रोड, शिव नगर होते हुए दोपहर बाद मंदिर पहुंची। मंदिर में श्रद्धालुओं को प्रवचन देते हुए भगत संजीव कुमार महाराज ने कहा कि पेट तो हर जीव भरता है लेकिन भगवान ने मनुष्य को हर तरह की सोचने व समझने की शक्ति दी है। इसलिए हमें प्रभु की दी हुई इस शक्ति का सही प्रयोग करते हुए ऐसे कार्य करने चाहिए जिससे कि हमारे कार्य से भगवान भी खुश हो। उन्होंने कहा कि हमें अपने माता-पिता, बुजुर्गों व गुरुजनों का आदर करते हुए उनके दिखाए मार्ग पर चलना चाहिए।

विधायक चंद्रप्रकाश ने बजट सत्र में उठाए आदमपुर हलके से जुड़े जनहित के मुद्दे

मंडी आदमपुर (राजधानी चौपाल) | विधायक चंद्रप्रकाश ने विधानसभा के बजट सत्र के दौरान कहा कि वर्ष 2025 में आदमपुर हलके के खालों के निर्माण के लिए 86 करोड़ रुपये का एस्टीमेट मंजूर किया गया था लेकिन इस दिशा में कोई प्रभावी कदम नहीं उठाए गए। उन्होंने कहा कि किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं मिलता। खालों के पक्का होने से किसानों को काफी राहत मिलेगी। इस संदर्भ में सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री ने विधानसभा में आश्वस्त किया कि आदमपुर हलके के खालों के लिए जो एस्टीमेट आए हुए हैं उसके आधार पर खालों को पक्का करने का काम जल्द शुरू कर दिया जाएगा। चंद्रप्रकाश ने विधानसभा अध्यक्ष के माध्यम से सरकार से मांग की कि बालसमंद अनाज मंडी में कवर शेड व बाउंड्री वॉल का निर्माण तुरंत प्रभाव से करवाया जाए। बालसमंद में 50 बिस्तर के अस्पताल की स्थापना करने की भी नितांत आवश्यकता है। आदमपुर, गांव बालसमंद, कालीरावण व सदलपुर के खेल स्टेडियम की मरम्मत या पुनर्निर्माण करवाकर युवाओं को खेल के अवसर प्रदान किए जाएं। सीसवाल, कोहली, न्योली कलां, न्योली खुर्द, चूली बागड़ियान, दड़ौली, सारंगपुर व महलसरा सहित बहुत से गांवों में बरसाती पानी की निकासी न होने से अगली फसल की बिजाई भी नहीं हो पाई। आदमपुर के रविदास नगर में 400 अनुसूचित वर्ग के परिवारों को और बीड़ के पांच गांवों के निवासियों को मालिकाना हक प्रदान करने की व्यवस्था भी सरकार को करवानी चाहिए। ओबीसी के आरक्षण एवं दिव्यांगों, सफाई कर्मचारियों व किसानों के हक की आवाज उठाई। ओबीसी वर्ग को आगे बढ़ने के समुचित अवसर प्रदान करें। दिव्यांग कर्मचारियों की नौकरी की उम्र 60 वर्ष से घटाकर 58 वर्ष कर दी है। इसलिए मांग की कि इस निर्णय को निरस्त करते हुए दिव्यांग कर्मचारियों की सेवा आयु पुनः 60 वर्ष की जाए।

पेंशन विवाद सुलझाने के लिए हर जिले में गठित की है कमेटी, रोज निगरानी हो रही

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र में शुक्रवार को प्रश्नकाल के दौरान विधायक उमेद सिंह व निर्मल सिंह ने बुजुर्गों की पेंशन कटने का मुद्दा उठाया। इस पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि सरकार ने किसी की भी पेंशन नहीं काटी है। पेंशन से जुड़े मुद्दे को सुलझाने के लिए हर जिले में एडीसी की अध्यक्षता में कमेटियों का गठन किया गया है। यदि किसी की पेंशन रुकी या रोकी गई तो वह इस कमेटी से संपर्क कर सकता है। पेंशन संबंधी किसी भी प्रकार की समस्या जैसे कि आयु सीमा, पीपीपी, निवासी प्रमाण पत्र या कोई और भी हो, अपनी शिकायत इस कमेटी में दे सकते हैं। कमेटी जिला स्तर पर शिकायतों को सुनेगी और विभाग के निदेशक को भेजेगी। उन्होंने सदन को यह भी अवगत कराया कि विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव जी अनुपमा इसकी प्रतिदिन निगरानी कर रही हैं।

बेदी ने कहा कि हरियाणा में सबसे ज्यादा पेंशन दी जा रही है और पेंशन को लेकर कोई दिक्कत नहीं आ रही। वहीं, महम में बस स्टैंड के निर्माण को लेकर विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि हरियाणा राज्य परिवहन रोहतक के महाप्रबंधक को जिला प्रशासन के साथ परामर्श कर उपयुक्त भूमि के बारे में सुझाव देने के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन की ओर से उपयुक्त भूमि उपलब्ध कराए जाने के बाद महम में नए बस स्टैंड का निर्माण करवाया जाएगा। इससे क्षेत्र के लोगों को बेहतर परिवहन सुविधाएं मिल सकेंगी। उन्होंने यह जवाब विधायक बलराम दांगी की ओर से पूछे गए एक सवाल के जवाब में दिया।

विनेश फोगाट ने दूषित पानी का उठाया मुद्दा श्रुति से कहा-अधिकारी गलत रिपोर्ट दे रहे : जुलाना से कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट ने जुलाना और जींद में सीवरेज युक्त दूषित जल ड्रेनों के माध्यम से सुंदर ब्रांच नहर में डाले जाने का मुद्दा उठाया। कहा, पानी में झाग उठ रहा है। मेरे पास इसकी फोटो भी है। इस पर सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी ने कहा कि ऐसा तो वहां बिल्कुल नहीं है। इस पर विनेश बोलीं-मुझे लगता है कि अधिकारी आपको गलत रिपोर्ट देते हैं, इसलिए इस मामले में अभी तक कोई भी कार्रवाई नहीं हो पाई है। हमें इस पर जल्द से जल्द कदम उठाना चाहिए, ताकि पलवल जैसे हालात न बनें। उन्होंने पेयजल एवं सिंचाई मंत्री से सवाल किया कि क्या इसके रोकथाम के लिए सरकार कुछ कदम उठाएगी। बाद में सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी ने बताया कि वे जरूर इस मामले का संज्ञान लेंगी और जांच कराएंगी।

मुलाना के सुधरेंगे स्टेडियम, गायब रहने वाले कोचों पर होगी कार्रवाई

मुलाना से कांग्रेस विधायक पूजा ने कहा कि उनके क्षेत्र में बने राजीव गांधी खेल परिसरों की बुरी हालत है। लंबी-लंबी घास है। बदहाल हालत में होने के बावजूद स्टेडियम में बच्चे प्रैक्टिस के लिए मजबूर हैं। जिन कोचों व चौकीदारों की ड्यूटी है, वह भी समय पर नहीं आते। ताले लगे रहते हैं। इस पर खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि मुलाना के गांव सरकपुर, मोहरा व साहा स्थित राजीव गांधी खेल परिसर के रखरखाव एवं मरम्मत के लिए खेल विभाग द्वारा 22 लाख 84 हजार रुपये, 25 लाख 3 हजार 200 रुपये और 24 लाख 88 हजार 43 रुपये की राशि लोक निर्माण विभाग को जारी की गई है। इन स्टेडियमों के आधारभूत ढांचे के नवीनीकरण के लिए 25 फरवरी को टेंडर आमंत्रित किए गए हैं। यदि कोच व चौकीदार स्टेडियम में नहीं आते हैं तो जांच करके कार्रवाई की जाएगी।

थर्मल प्लांट के विस्थापितों को आज आवंटित होंगे 407 प्लॉट

विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने बताया कि पानीपत स्थित प्लांट के पास बसे एक गांव के साथ श्री सीमेंट और ऐश डेक भी सटा हुआ है जिसके कारण वहां राख गिरने की समस्या सामने आती है। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए उस गांव को शिफ्ट करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। सात मार्च को होने वाले कार्यक्रम में 407 प्लॉट आवंटित किए जाएंगे। इनमें प्रभावित परिवारों को स्थानांतरित किया जाएगा। इससे पहले यमुनानगर के विधायक घनश्याम अरोड़ा ने थर्मल पावर प्लांट से हो रहे प्रदूषण का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि रतनपुरा गांव बुरी तरह प्रभावित है। कृपया इसे शिफ्ट किया जाए। इसका जवाब देते हुए कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने बताया कि दीनबंधु छोटूराम थर्मल पावर प्लांट में 2×300 मेगावाट क्षमता की दो इकाइयां स्थापित हैं और इनका ऐश हैंडलिंग सिस्टम पूरी तरह से सुचारू रूप से कार्य कर रहा है। यमुनानगर के रतनपुरा गांव से ऐश डेक की दूरी लगभग 8 किलोमीटर है। प्लांट से निकलने वाली राख को पानी में मिलाकर ऐश डेक में डाला जाता है इसलिए इस गांव को शिफ्ट करने का कोई प्रस्ताव नहीं है। थर्मल पावर प्लांट से निकलने वाली राख के प्रबंधन और उससे संबंधित तकनीकी पहलुओं का अध्ययन करने के लिए तकनीकी अभियंताओं की एक समिति गठित की जाएगी।

स्थानीय युवाओं को रोजगार देने वाली कंपनियों को सवा नौ करोड़ रुपये सब्सिडी दी : मंत्री राव : सदन में कांग्रेस विधायक कुलदीप वत्स ने स्थानीय युवाओं को फैक्टरियों में रोजगार देने का मुद्दा उठाया। इस पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि औद्योगिक इकाइयां ग्रुप सी व डी में तकनीकी पदों में 40 से 50 प्रतिशत तक रोजगार हरियाणा के युवाओं को दे रही है। झज्जर के बादली विधानसभा क्षेत्र में आटोलिव कंपनी में कुल 1045 रोजगार जिनमें से 527 पर हरियाणा के कर्मचारी कार्यरत हैं। डेन्सो में 1120 में से 790, टीसीआई 645 में से 75 तथा अंबर में 1440 में से 335 हरियाणा के निवासी हैं। उन्होंने यह भी बताया कि स्थानीय युवाओं को रोजगार देने वाले उद्योगों को 48 हजार रुपये प्रति कर्मचारी प्रतिवर्ष रोजगार सब्सिडी दी जाती है। इस साल के बजट में यह राशि बढ़ाकर एक लाख कर दी गई है। उन्होंने बताया कि अब तक हरियाणा के 3054 व्यक्तियों को रोजगार देने वाली 25 कंपनियों को 9,28,12,702 रुपये की रोजगार सृजन सब्सिडी प्रदान की गई है।

डाडम में खनन पर हंगामा

पंवार बोले-कोई खनन नहीं हुड्डा ने कहा-90 प्रतिशत हुआ

गुरुग्राम में रास्ते चौड़े करने को लेकर आए प्रस्ताव पर भी विपक्ष ने घेरा

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | बजट सत्र पर चर्चा के दौरान खनन को लेकर कांग्रेस व भाजपा विधायकों में नोंकझोंक हुई। खनन मंत्री कृष्णलाल पंवार ने खनन नहीं होने का दावा किया तो कांग्रेस के विधायक भारत भूषण बतरा ने कहा कि अभी प्रतिनिधिमंडल बनाओ, मौके पर जाकर देखते हैं। नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने भी विधायक बतरा के आरोपों को सही ठहराते हुए सरकार को घेरा। आरोप लगाया कि डाडम में 90 प्रतिशत तक खनन हो गया। मजदूरों की मौत हो गई, सरकार ने क्या कार्रवाई की?

इस बीच गुरुग्राम में रास्ते चौड़े करने को लेकर सरकार के प्रस्ताव पर हुड्डा ने सवाल उठाए और इस पर उनकी वन मंत्री राव नरबीर सिंह के साथ बहस भी हुई।

प्रश्नकाल के बाद बजट पर चर्चा के दौरान विधायक बतरा ने बजट को पूरी तरह जनविरोधी बताया। आरोप लगाए कि सरकार घोटाले रोकने में नाकाम रही है और अरावली की रक्षा नहीं कर सकी। प्रॉपर्टी डीलरों पर अंकुश नहीं लगा। डाडम में खनन हुआ, एसएस प्रसाद कमेटी की रिपोर्ट की कॉपी भी मुझे 6 माह में दी। इस पर मंत्री पंवार ने कहा कि खनन नहीं हो रहा। विधायक बतरा ने कहा, जांच का मामला आपसे पहले के कार्यकाल का है इसलिए आपसे कुछ नहीं कहूंगा लेकिन खनन कहीं बंद नहीं। हुड्डा ने भी कहा कि वे खनन वाले क्षेत्र में खुद गए थे। डाडम में 200 फीट गहराई तक खनन हुआ है।

इसके बाद बतरा ने गुरुग्राम में कम चौड़े रास्ते होने के कारण सरकार की तरफ से बजट में लाए गए प्रस्ताव पर कहा कि हमने तो गुरुग्राम पका-पकाया दिया था और आप 11 साल में कुछ नहीं करवा सके। उनके समय में 60 से 150 मीटर तक के रास्ते थे।

वन एवं पर्यावरण मंत्री राव नरबीर ने कहा कि जब कांग्रेस की सरकार थी तब दो करम के लिए भी लाइसेंस दे दिए गए थे। 5-6 सेक्टरों को छोड़कर 1000 सोसाइटी के 2-2 करम के रास्ते हैं, जो गलती कांग्रेस राज में हुई उसकी सजा आज भी भुगत रहे हैं। मंत्री राव नरबीर का जवाब सुनकर हुड्डा नाराज हो गए और सदन में खड़े होकर कहा कि कुछ स्थानों पर स्टे था जिसमें द्वारका एक्सप्रेस-वे भी शामिल था।

विधायक बतरा ने लगाया 300 करोड़ के जमीन घोटाले का आरोप, कहा-70 करोड़ के राजस्व की सीधे चपत लगी : विधायक बतरा ने रोहतक में 300 करोड़ रुपये की जमीन के घोटाले में एक नेता व उनके पुत्र के शामिल होने का दावा किया। बतरा के अनुसार हरियाणा टेलीकॉम लिमिटेड 2019-20 में आर्थिक संकट के कारण बंद हो गई। उस समय कंपनी पर करीब 96 करोड़ रुपये का कर्ज था। इसमें से लगभग 86.6 करोड़ रुपये हरियाणा सरकार के विभिन्न विभागों का बकाया था। एक निजी कंपनी ने लगभग 8 करोड़ रुपये की वसूली के लिए एनसीएलटी में दिवालियापन की प्रक्रिया शुरू की। 12 अप्रैल 2023 को समाधान योजना के तहत 25.14 करोड़ रुपये में कंपनी अधिगृहीत करने की मंजूरी दे दी गई। निर्धारित समय पर भुगतान न होने पर 4 करोड़ रुपये की परफॉर्मेंस गारंटी जब्त की गई जिसके बाद एक अन्य इकाई ने 21.14 करोड़ रुपये का डिमांड ड्राफ्ट जमा कराया गया।

सदन में बतरा ने कहा कि जिस जमीन का कलेक्टर रेट करीब 75 करोड़ रुपये है। एनसीएलटी में जिसकी कीमत 200 करोड़ रुपये से अधिक बताई गई और स्थानीय बाजार में जिसकी कीमत लगभग 300 करोड़ रुपये आंकी जा रही है, वह संपत्ति मात्र 25.14 करोड़ रुपये में कैसे ट्रांसफर कर दी गई? उन्होंने पूछा कि जब राज्य सरकार स्वयं 86 करोड़ रुपये से अधिक की लेनदार थी तो इतने कम में क्यों दी गई।

इस प्रकरण में उन्होंने करोड़ों रुपये की राजस्व चोरी का भी आरोप लगाया। यह भी कहा कि 500 पेड़ यहां शीशम के काट दिए। नक्शे पास हो गए जो जमीन थी वह भी 90 साल के पट्टे पर किसी अन्य के नाम थी। सरकार को 70 करोड़ के राजस्व का नुकसान हुआ। उन्होंने जांच की मांग की।

मंत्री रणबीर सिंह गंगवा बोले-आपके समय में जांच नहीं होती थी

मंत्री रणबीर गंगवा ने बतरा के आरोपों पर कहा कि जब कांग्रेस की सरकार थी तब वह व थानेसर से कांग्रेस विधायक अशोक अरोड़ा इनेलो में थे। 300 पेज की चार्जशीट सौंपी थी पर कार्रवाई नहीं हुई। उनकी सरकार में एक भी पैसे की कोई गड़बड़ी नहीं कर सकता।

- **बतरा का दावा, 10 में से 7 परिवारों की आय 1.80 लाख से कम** : आर्थिक सर्वेक्षण के आंकड़ों को लेकर भी बतरा ने चिंता जताई। कहा कि परिवार पहचान पत्र (पीपीपी) और गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) के आंकड़े राज्य के विकास के लिए चिंता का विषय हैं। 10 में से 7 परिवारों की सालाना आय 1.80 लाख रुपये से कम है। यह स्थिति डबल इंजन की सरकार के दावों पर सवाल खड़े करती है। इस पर हांसी के विधायक विनोद भयाना ने कहा कि मेरिट के आधार पर नौकरियां दी जा रही हैं।

ट्रैवल एजेंट्स एक्ट-2025 में संशोधन करेगी सरकार, संशोधित विधेयक सदन में पेश

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | विदेश मंत्रालय की आपत्ति के बाद हरियाणा सरकार ट्रैवल एजेंटों से जुड़े कानून हरियाणा रजिस्ट्रेशन एंड रेगुलेशन ऑफ ट्रैवल एजेंट्स एक्ट-2025 में संशोधन किया है। सरकार ने संशोधित विधेयक को मौजूदा बजट सत्र के दौरान शुक्रवार को सदन में पेश किया। राज्य सरकार ने पिछले साल डंकी रूट पर लगाम कसने के लिए सख्त कानून बनाया था। इसमें आरोपियों के खिलाफ दस साल तक सजा व अर्जित प्रॉपर्टी को जब्त करने का प्रावधान था।

विदेश मंत्रालय ने हरियाणा सरकार को बताया है कि इस कानून के कुछ प्रावधान एमिग्रेशन एक्ट 1983 से मेल नहीं खाते। यह केंद्रीय कानून भारतीय नागरिकों के विदेश में नौकरी के लिए जाने से जुड़े मामलों को नियंत्रित करता है। मंत्रालय का कहना है कि मौजूदा कानून की कुछ धाराओं का गलत फायदा उठाकर ट्रैवल एजेंट एमिग्रेशन एक्ट के नियमों से बच सकते हैं। खासकर वह नियम जिसके तहत विदेश में नौकरी के लिए लोगों को भेजने वाले एजेंटों का प्रोटेक्टर जनरल ऑफ एमिग्रेंट्स (पीजीई) के पास पंजीकरण होना जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार कानून की कुछ परिभाषाओं में बदलाव करने जा रही है।

एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, यह संशोधन इसलिए किया जा रहा है ताकि राज्य का कानून एमिग्रेशन एक्ट 1983 के अनुरूप हो सके और भर्ती एजेंटों पर निगरानी व्यवस्था मजबूत हो सके। एमिग्रेशन एक्ट 1983 के तहत बिना पंजीकरण के कोई भी व्यक्ति या एजेंसी विदेश में नौकरी के लिए लोगों की भर्ती नहीं कर सकती।

अभी कानून में प्रवासी की परिभाषा में पढ़ाई, काम या पर्यटन के लिए विदेश जाने वाले सभी भारतीय शामिल हैं। संशोधन के बाद विदेश में नौकरी के लिए जाने वालों को इस परिभाषा से बाहर रखा जाएगा क्योंकि यह मामला केंद्र के एमिग्रेशन एक्ट के तहत आता है।

ट्रैवल एजेंट की परिभाषा में भी बदलाव किया जाएगा। इसमें विदेश में नौकरी दिलाने या भर्ती से जुड़ी सेवाओं को शामिल नहीं किया जाएगा।

पलवल में ट्रामा सेंटर खोलने को लेकर स्वास्थ्य मंत्री और विधायक में बहस

सीएम सैनी को भी हस्तक्षेप करना पड़ा, कहा-कोई दिक्कत नहीं

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | पलवल से बल्लभगढ़ के बीच ट्रामा सेंटर को लेकर कांग्रेस विधायक रघुबीर तेवतिया व स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के बीच बहस हो गई। सीएम नायब सैनी को हस्तक्षेप करना पड़ा। इसके बावजूद कांग्रेस के विधायक संतुष्ट नहीं हुए। बाद में स्पीकर ने कहा कि काफी विस्तार से जवाब दिया गया है।

विधायक रघुवीर तेवतिया ने कहा कि पलवल में तेजी से उद्योग बढ़े हैं। यदि कोई ऊंच-नीच हो जाए तो पलवल से लेकर बल्लभगढ़ के बीच कोई भी ट्रामा सेंटर नहीं हैं। जिला अस्पताल भी

पांच किलोमीटर दूर है। उन्होंने ट्रामा सेंटर खोलने की मांग उठाई। इस पर आरती राव ने कहा कि ऐसा कोई सुझाव नहीं है। उन्होंने बताया कि पलवल में ट्रामा केयर सुविधाओं वाले आयुष्मान भारत पैनल में कई बड़े निजी अस्पतालों को शामिल किया गया है। इनमें 120 बिस्तरीय तुला अस्पताल पलवल, 55 बिस्तरीय सचिन अस्पताल, 55 बिस्तर का मनोज अस्पताल होडल, 35 बिस्तर का पलवल अस्पताल व 30 बिस्तर का गोल्डन अस्पताल शामिल हैं।

बाद में सीएम सैनी खड़े हुए और कहा कि पलवल क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं की कोई कमी नहीं है। 200 बेड के जिला अस्पताल और 50 बेड के सब-डिविजनल अस्पताल के माध्यम से सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। स्थानीय विधायक जिस स्थान की बात कर रहे हैं उससे 500 मीटर दूरी पर जिला अस्पताल पलवल है।

निर्दलीय विधायक ने कहा-गोसेवा करने वाली भाजपा, कांग्रेसियों ने किया हंगामा

विधायक विरोध में खड़े हुए तो स्पीकर ने रोका, हुड्डा ने जताई आपत्ति

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | गन्नौर के निर्दलीय विधायक ने भाजपा सरकार को गोसेवा के लिए काम करने वाली बताया तो हंगामा हो गया। निर्दलीय विधायक ने बजट की प्रशंसा करते हुए कहा कि पहले भेदभाव होता था अब समान रूप से विकास हो रहा है। गोसेवा के लिए गोशालाओं को 600 करोड़ रुपये जारी किए हैं। कांग्रेस सरकार में तो केवल 2 करोड़ रुपये मिलते थे। इसी बात पर कांग्रेसी विधायक सदन में खड़े हो गए। विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने विधायकों को ऐसा करने से रोका तो नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा नाराज हो गए।

खान ने पूछा-क्या मेवात के बच्चे प्रदेश के नहीं?

फिरोजपुर झिरका के कांग्रेस विधायक मामन खान ने कहा कि मेवात में 5000 शिक्षकों के रिक्त पद हैं। 48 करोड़ रुपये से फिरनियों को पक्का करना था, उन कामों के टेंडर ही वापस हो गए। खेल स्टेडियम है न विश्वविद्यालय। ऐसे में किसानों व गरीबों के बच्चे कहां पढ़ेंगे। खेलों में बगैर संसाधनों के कैसे मेडल लाएंगे। हांसी का उदाहरण देते हुए कहा कि मेवात से भेदभाव क्यों? क्या मेवात के बच्चे हरियाणा के नहीं हैं?

चंद्रप्रकाश बोले-हिसार में एम्स हो स्थापित : आदमपुर के कांग्रेस विधायक चंद्रप्रकाश ने नहरी पानी का इंतजाम खेतों तक कराने की बात कही। इसके अलावा हिसार को ऐतिहासिक जिला बताते हुए उन्होंने कहा कि एम्स हिसार में ही स्थापित होना चाहिए। विधायक ने सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी से कहा कि भिवानी पहले हिसार का ही हिस्सा था इसलिए आदमपुर आपका पुराना क्षेत्र है। श्रुति ने जवाब दिया कि विश्व बैंक की मदद से 21 प्रोजेक्ट पर काम कराएंगे और पानी की किल्लत दूर हो जाएगी।

सतीश नांदल की एंट्री से कांग्रेस में बढ़ी चिंता, कांग्रेसी विधायकों को अब कर्नाटक भेजने की तैयारी, 2022 में लगा था झटका

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | राज्यसभा की दो सीटों पर चुनाव के लिए तीसरे उम्मीदवार के तौर भाजपा नेता सतीश नांदल की एंट्री से कांग्रेस की चुनौती बढ़ गई है। भाजपा के इस कदम से कांग्रेस में चिंता का माहौल है। खासकर क्रास वोटिंग को लेकर। कांग्रेस को डर है कि कहीं भाजपा उनके विधायकों में सेंध न लगा दे। यदि निर्दलीय उम्मीदवार का नामांकन वापस नहीं लिया जाता है तो कांग्रेस के विधायक 9 मार्च के बाद दूसरे राज्य में शिफ्ट किए जा सकते हैं।

विधानसभा में कांग्रेस के 37 विधायक हैं। जीत के लिए उन्हें 31 वोट चाहिए। निर्दलीय विधायक भाजपा नेता सतीश नांदल को 11 वोट चाहिए। नांदल को 11 वोट तभी मिल सकते हैं जब इनेलो के दो व कांग्रेस के नौ विधायक उनके पक्ष में मतदान करें। कांग्रेस नेतृत्व की ओर से यह सलाह दी गई है कि विधायकों को कर्नाटक भेजा जाए जहां चुनावी माहौल को नियंत्रित करना आसान हो। कुछ विधायकों ने कर्नाटक की बजाय हिमाचल जाने की सलाह दी है लेकिन कांग्रेस का अधिकतर नेतृत्व कर्नाटक को ही बेहतर मान रहा है। पार्टी नेतृत्व इस बात को लेकर सतर्क है कि कहीं कोई विधायक पार्टी उम्मीदवार कर्मवीर सिंह बौद्ध की अंदर ही अंदर खिलाफत न कर दें और तीसरे उम्मीदवार के पक्ष में जाकर वोटिंग कर दे। कांग्रेस ने अपनी पूरी ताकत लगाकर यह सुनिश्चित करने की कोशिश की है कि टूट-फूट न हो। नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। ऐसे में रणनीति की कमान उनके पास है। 2022 में बहुमत होने के बावजूद कांग्रेस का उम्मीदवार राज्यसभा चुनाव नहीं जीत सका था। कांग्रेस के पास उस वक्त भी 31 विधायक थे। इसके बावजूद भाजपा व जजपा समर्थित आजाद उम्मीदवार कार्तिकेय शर्मा ने माकन को हराकर दूसरी राज्यसभा सीट भी जीत ली थी। ऐसे में गुटबाजी में फंसी हरियाणा कांग्रेस के लिए इस बार भी राज्यसभा चुनाव आजाद उम्मीदवार के मैदान में आने से चुनौती बढ़ गई है।

नांदल चुनाव जीते तो भाजपा से बनानी होगी दूरी

चंडीगढ़ | भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल ने राज्यसभा चुनाव के लिए निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर नामांकन दाखिल किया है। यदि वे चुनाव जीतते हैं तो नियमों के मुताबिक उन्हें पार्टी से नाता तोड़ना होगा। हाईकोर्ट के अधिवक्ता और चुनावी सांविधानिक मामलों के जानकार हेमंत कुमार के अनुसार अगर सतीश नांदल निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में राज्यसभा चुनाव जीतते हैं तो उन्हें भाजपा से इस्तीफा देना पड़ेगा। संविधान की दसवीं अनुसूची के पैराग्राफ 2(2), जिसे दलबदल विरोधी कानून कहा जाता है, में प्रावधान है कि यदि कोई व्यक्ति निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव जीतता है और बाद में किसी राजनीतिक दल में शामिल होता है तो उसे सदन की सदस्यता के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है। यह सवाल भी उठ रहा है कि नांदल पहले से भाजपा के पदाधिकारी हैं ऐसे में क्या वे पार्टी में रहते हुए निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ सकते हैं। इस पर हेमंत कुमार ने कहा कि सामान्यतः यदि कोई पार्टी पदाधिकारी पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार के खिलाफ निर्दलीय चुनाव लड़ता है तो उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई हो सकती है। इस मामले में स्थिति अलग है। एक तो यह राज्यसभा चुनाव है और दूसरा पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की सहमति से ही नांदल निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं।

घोषणा को एक साल, अब तक सिर्फ एक ही विशेष पार्क तैयार

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | शहरी स्थानीय निकाय विभाग वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में की गई घोषणाओं पर अपेक्षित गति से काम नहीं कर पाया है। पिछले वर्ष सभी 87 शहरी निकायों में विशेष बच्चों के लिए पार्क विकसित करने की घोषणा की गई थी, लेकिन लगभग एक साल बाद भी केवल पटौली-जटौली मंडी में ही ऐसा पार्क तैयार हो पाया है।

विभाग के अनुसार 10 निकायों में निर्माण कार्य शुरू हो चुका है, जबकि 57 निकायों में एस्टीमेट तैयार करने या टेंडर लगाने की प्रक्रिया जारी है। शेष 19 निकायों में भी जल्द काम शुरू किए जाने की बात कही जा रही है। प्रदेश सरकार ने विशेष जरूरत वाले बच्चों को खेलने के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह योजना शुरू की थी।

न्यूज ब्रीफ

सूक्ष्म सिंचाई वाली फसलों को बोने के लिए किसान वरीयता दें : सीएम

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | हरियाणा में किसानों को सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली से जुड़ी फसलों की बुवाई के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने हरियाणा किसान कल्याण प्राधिकरण की रिपोर्ट 'वर्किंग ग्रुप ऑन प्रमोशन ऑफ मेडिसिनल एंड एरोमैटिक प्लांट्स इन हरियाणा' का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों को औषधीय (मेडिसिनल) और सुगंधित (एरोमैटिक) पौधों की खेती के लिए प्रेरित करना चाहिए, ताकि कम कृषि भूमि में भी अधिक आय मिल सके। मुख्यमंत्री ने खरीफ फसलों के लिए मूल्य नीति निर्धारण को लेकर आयोजित बैठक (विपणन सत्र 2026-27) की भी अध्यक्षता की। उन्होंने अधिकारियों को इस संबंध में प्रस्ताव तैयार कर केंद्र सरकार को भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा करने के लिए राज्य में मेडिसिनल और एरोमैटिक पौधों की खेती को टिकाऊ और योजनाबद्ध तरीके से बढ़ावा देना जरूरी है।

हरियाणा में कांग्रेस नेतृत्व भाजपा के इशारों पर चलता है : अनुराग ढांडा

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | राज्यसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने भाजपा और कांग्रेस के बीच अंदरूनी सेटिंग का आरोप लगाया है। ढांडा ने नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर सीधा निशाना साधते हुए कहा कि हरियाणा कांग्रेस की लीडरशिप पूरी तरह से भाजपा के इशारों पर चलने वाली कठपुतली बन चुकी है। अनुराग ढांडा ने कहा कि हरियाणा की जनता को 2016 और 2022 के राज्यसभा चुनाव याद हैं। तब कांग्रेस के पास पर्याप्त संख्या होने के बावजूद भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार राज्यसभा पहुंच गए थे। इस बार भी वही राजनीतिक समीकरण दिखाई दे रहे हैं। इससे साफ संकेत मिलता है कि भाजपा और कांग्रेस के बीच पर्दे के पीछे राजनीतिक समझौता चल रहा है।

अब सरकारी स्कूलों में हर माह होगी एसएमसी बैठक

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | अब हरियाणा के प्रत्येक सरकारी विद्यालय में विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) की बैठक हर महीने के अंतिम शनिवार को अनिवार्य रूप से होगी। अगर उस दिन अवकाश होगा तो बैठक अंतिम सप्ताह के किसी अन्य दिन कराई जाएगी। हरियाणा विद्यालय शिक्षा विभाग ने राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में एसएमसी की नियमित बैठकों को लेकर नए निर्देश जारी किए हैं। शिक्षा विभाग के अनुसार स्कूल प्रबंधन समिति का गठन आरटीई एक्ट 2009 के तहत किया गया है जिसका उद्देश्य विद्यालयों में पारदर्शिता, जवाबदेही और शिक्षा की गुणवत्ता को मजबूत करना है। विद्यालय के मुखिया समिति के सदस्य सचिव होंगे और बैठक बुलाने, कार्यवाही लिखने व निर्णयों के पालन के लिए जिम्मेदार रहेंगे। बैठक में विद्यार्थियों की पढ़ाई, परीक्षा परिणाम, उपस्थिति, स्कूल की सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल, शौचालय व्यवस्था और आधारभूत सुविधाओं की समीक्षा की जाएगी।

प्रोफेसरों को नौकरी की गारंटी देने का संशोधित विधेयक पेश

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | सरकार ने एक्सटेंशन और गेस्ट प्रोफेसरों को नौकरी की गारंटी देने से संबंधित संशोधित विधेयक सदन में पेश किया। पहले इस योजना के दायरे में 30 जून 2023 तक कार्यरत प्रोफेसरों आते थे। अब 21 जुलाई 2025 या उससे पहले के कार्यरत प्रोफेसर भी शामिल होंगे। पहले पात्रता के लिए कैलेंडर वर्ष के आधार पर सेवा अवधि मानी जाती थी। अब लगातार कार्य करते हुए एक वर्ष की अवधि पूरी होना पात्रता का आधार होगा। प्रोफेसरों को 57,700 रुपये प्रतिमाह मानदेय व जनवरी और जुलाई से महंगाई भत्ते में वृद्धि का लाभ मिलेगा।

महिला शक्ति का नया अध्याय...

मानेसर की पहली निर्दलीय महिला मेयर बनीं डॉ. इंद्रजीत यादव, महिला दिवस पर महिलाओं का बढ़ाया हौसला

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस केवल एक औपचारिक दिवस नहीं है, बल्कि यह दिन समाज में महिलाओं के योगदान, संघर्ष, आत्मविश्वास और उपलब्धियों को सम्मान देने का प्रतीक है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और क्षमता का परिचय दे रही हैं। राजनीति, प्रशासन, शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और सामाजिक सेवा—हर क्षेत्र में महिलाएं अपनी मजबूत पहचान बना रही हैं। हरियाणा के गुरुग्राम जिले के मानेसर क्षेत्र में भी इस बार महिला दिवस का अवसर विशेष बन गया, क्योंकि मानेसर नगर निगम के इतिहास में पहली बार एक महिला ने मेयर पद संभाला है। डॉ. इंद्रजीत यादव का मानेसर की पहली निर्दलीय महिला मेयर बनना केवल एक चुनावी जीत नहीं है, बल्कि यह पूरे क्षेत्र की महिलाओं के आत्मविश्वास और सम्मान का प्रतीक बन गया है।

पहली बार हुआ मेयर चुनाव, जनता ने महिला नेतृत्व को दिया मौका

मानेसर नगर निगम में पहली बार मेयर पद के लिए चुनाव आयोजित हुए। यह चुनाव क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ। इस चुनाव में जनता ने किसी बड़े राजनीतिक दल की बजाय एक ऐसी महिला पर भरोसा जताया, जो वर्षों से समाज सेवा में सक्रिय रही हैं। डॉ. इंद्रजीत यादव ने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ते हुए जनता का विश्वास जीता और मेयर पद पर विजयी होकर मानेसर के इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया। उनकी यह जीत इस बात का प्रमाण है कि जनता आज विकास, सेवा और ईमानदार नेतृत्व को प्राथमिकता देती है।

दस वर्षों से समाज सेवा में सक्रिय

डॉ. इंद्रजीत यादव का राजनीतिक सफर अचानक शुरू नहीं हुआ। पिछले लगभग दस वर्षों से वे मानेसर क्षेत्र में लगातार समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय रही हैं। उन्होंने जरूरतमंद लोगों की मदद करना, गरीब परिवारों को सहयोग देना, शिक्षा के क्षेत्र में प्रोत्साहन देना और सामाजिक समस्याओं के समाधान के लिए आगे आना अपना जीवन का उद्देश्य बना लिया था। यही कारण है कि क्षेत्र के लोग उन्हें केवल एक नेता के रूप में नहीं, बल्कि एक समाजसेवी और भरोसेमंद व्यक्तित्व के रूप में देखते हैं।

कोविड काल में दिखाई सेवा भावना

जब पूरी दुनिया कोविड महामारी के संकट से गुजर रही थी, उस समय भी डॉ. इंद्रजीत यादव ने मानवता की मिसाल पेश की।

- कोविड के कठिन समय में उन्होंने जरूरतमंद परिवारों तक राशन, दवाइयां और आवश्यक मदद पहुंचाने का कार्य किया।
- कई परिवारों को आर्थिक सहायता दी गई और जरूरतमंद लोगों की हर संभव मदद करने का प्रयास किया गया।
- कोविड के उस दौर में उनकी सेवा भावना ने लोगों के दिलों में उनके प्रति सम्मान और विश्वास को और मजबूत कर दिया।

महिला दिवस पर महिलाओं के बीच पहुंचीं मेयर

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर डॉ. इंद्रजीत यादव ने गुरुग्राम और मानेसर के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर महिलाओं के बीच कार्यक्रमों में भाग लिया।

- इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया और महिला दिवस को उत्साह और गर्व के साथ मनाया गया।
- डॉ. यादव ने महिलाओं से मुलाकात की, उनका सम्मान किया और समाज में उनके योगदान की सराहना की।
- कार्यक्रमों में मौजूद महिलाओं ने भी अपनी समस्याओं और विचारों को मेयर के सामने रखा, जिन्हें डॉ. यादव ने गंभीरता से सुना।

महिलाओं का सम्मान ही समाज की असली ताकत

डॉ. इंद्रजीत यादव का मानना है कि किसी भी समाज की असली ताकत उसकी महिलाएं होती हैं। यदि महिलाओं को शिक्षा, सम्मान और अवसर मिलें तो पूरा समाज तेजी से आगे बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को केवल घर तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि उन्हें हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर देने चाहिए।

महिलाओं के लिए प्रेरणा बनीं डॉ. इंद्रजीत यादव

आज मानेसर क्षेत्र की कई महिलाएं डॉ. इंद्रजीत यादव को एक प्रेरणा के रूप में देख रही हैं। उनकी सफलता यह दिखाती है कि अगर किसी महिला में लगन, मेहनत और समाज के लिए काम करने की भावना हो तो वह किसी भी ऊंचाई तक पहुंच सकती है। उनका मेयर बनना यह साबित करता है कि महिलाएं अब केवल वोट देने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे नेतृत्व करने की क्षमता भी रखती हैं।

समाज सेवा से नेतृत्व तक का सफर

डॉ. इंद्रजीत यादव का सफर समाज सेवा से शुरू होकर नेतृत्व तक पहुंचा है। उन्होंने पहले लोगों की समस्याओं को समझा, उनकी मदद की और धीरे-धीरे जनता का विश्वास जीता। यही विश्वास उन्हें मानेसर की पहली महिला मेयर के रूप में स्थापित करने में सफल हुआ।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा

महिला दिवस के कार्यक्रमों में उन्होंने महिलाओं से कहा कि आज के समय में आत्मनिर्भर बनना बहुत जरूरी है। जब महिलाएं आत्मनिर्भर बनती हैं तो उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और समाज में उनकी भूमिका और भी मजबूत हो जाती है।

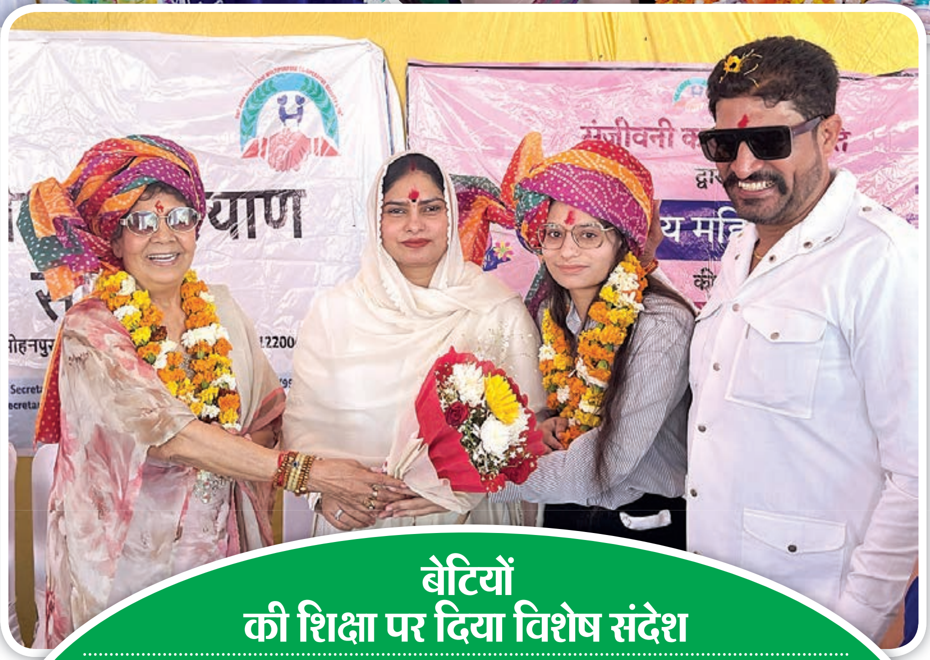

बेटियों की शिक्षा पर दिया विशेष संदेश

महिला दिवस के कार्यक्रमों में डॉ. इंद्रजीत यादव ने महिलाओं को संबोधित करते हुए शिक्षा के महत्व पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा — "बेटियों को जरूर पढ़ाएं, क्योंकि जो सीखेगा और पढ़ेगा वही आगे बढ़ेगा।" उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह शक्ति है जो किसी भी लड़की को आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाती है। यदि बेटियां शिक्षित होंगी तो समाज का भविष्य भी उज्ज्वल होगा।

जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का संकल्प...

मेयर बनने के बाद डॉ. इंद्रजीत यादव ने यह भी कहा कि वे जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगी। उन्होंने कहा कि मानेसर के विकास, स्वच्छता, शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर डॉ. इंद्रजीत यादव का महिलाओं के बीच जाकर उनका सम्मान करना और उन्हें शिक्षा तथा आत्मनिर्भरता के लिए प्रेरित करना वास्तव में एक सराहनीय पहल है।

मानेसर की पहली निर्दलीय महिला मेयर के रूप में उन्होंने न केवल इतिहास रचा है, बल्कि पूरे क्षेत्र की महिलाओं के आत्मविश्वास को भी नई उड़ान दी है।

आज मानेसर की महिलाएं गर्व के साथ कह सकती हैं कि उन्हें एक ऐसा नेतृत्व मिला है जो उनकी आवाज को समझता है और उनके सम्मान के लिए काम करने का संकल्प रखता है।

डॉ. इंद्रजीत यादव का यह सफर न केवल मानेसर के लिए, बल्कि पूरे समाज के लिए एक प्रेरणा है।

लेखक : राहुल हिंदुस्तानी

महिलाओं के लिए दिया सशक्त संदेश

महिला दिवस के अवसर पर डॉ. यादव ने महिलाओं को कई महत्वपूर्ण संदेश दिए —

- बेटियों को पढ़ाना सबसे बड़ी जिम्मेदारी है
- महिलाओं को आत्मनिर्भर बनना चाहिए
- समाज में महिलाओं का सम्मान बढ़ाना जरूरी है
- शिक्षा और जागरूकता से ही समाज मजबूत बनता है

बदल रही है समाज की सोच

मानेसर नगर निगम में पहली महिला मेयर का चुना जाना यह दर्शाता है कि समाज की सोच तेजी से बदल रही है।

- आज लोग महिला नेतृत्व को स्वीकार कर रहे हैं और उन्हें जिम्मेदारी देने के लिए तैयार हैं।
- यह बदलाव आने वाले समय में समाज के विकास के लिए सकारात्मक साबित होगा।

महिला शक्ति का बढ़ता सम्मान

आज महिलाएं केवल घर और परिवार तक सीमित नहीं हैं। वे राजनीति, प्रशासन, शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में भी अपनी मजबूत पहचान बना रही हैं।

डॉ. इंद्रजीत यादव की सफलता इस बात का उदाहरण है कि अगर महिलाओं को अवसर मिले तो वे समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

दुनिया के सबसे अमीर रेस्टोरेंट मालिक टिलमैन की नई सवारी 4,155 करोड़ के याट में हेलीपैड

टेक्सास| दुनिया के सबसे अमीर रेस्टोरेंट मालिक और अमेरिकी अरबपति टिलमैन फर्टिटा ने अपनी विलासितापूर्ण जीवनशैली में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। फर्टिटा ने हाल ही में करीब 4,155 करोड़ रुपए की लागत से तैयार एक आलीशान सुपर-यॉट को अपने बेड़े में शामिल किया है, जिसे 'पानी पर तैरता महल' कहा जा रहा है।

इस भव्य जहाज का निर्माण प्रसिद्ध जर्मन कंपनी लुर्सन ने किया है। इसे विशेष रूप से एक 'फैमिली रिट्रीट' के तौर पर डिजाइन किया गया है, जहाँ तकनीक और आराम का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। इस जहाज की लंबाई और इसकी भव्यता समुद्री इंजीनियरिंग का एक बेजोड़ नमूना है।

इस सुपर-यॉट की सबसे बड़ी खासियत इसकी अत्याधुनिक सुविधाएं हैं। इसमें दो हेलीपैड बनाए गए हैं, जो वीआईपी मेहमानों की आवाजाही को सुगम बनाते हैं। फिटनेस के लिए इसमें एक वर्ल्ड-क्लास जिम, विशाल स्विमिंग पूल और जकूजी की सुविधा दी गई है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि गोल्फ प्रेमियों के लिए इसमें समुद्र के बीचों-बीच एक पुटिंग ग्रीन भी तैयार किया गया है।

वाहन मालिकों के लिए बड़ी राहत

अब बिना एनओसी के दूसरे राज्य में ट्रांसफर होगी गाड़ी, 15 साल की पाबंदी से भी मिल सकती है मुक्ति

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) | केंद्र सरकार देश की परिवहन व्यवस्था और वाहन पंजीकरण नियमों में अब तक का सबसे बड़ा बदलाव करने जा रही है। नीति आयोग की एक उच्च-स्तरीय कमेटी ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय को एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव भेजा है। इस प्रस्ताव का उद्देश्य पुराने वाहनों को एक राज्य से दूसरे राज्य में स्थानांतरित करने की जटिल प्रक्रिया को समाप्त करना और वाहन मालिकों को आरटीओ के चक्करों से मुक्ति दिलाना है।

एनओसी की अनिवार्यता होगी खत्म, डिजिटल होगा वेरिफिकेशन

वर्तमान नियमों के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति अपनी गाड़ी को दूसरे राज्य में रजिस्टर कराना चाहता है, तो उसे पुराने आरटीओ से 'नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' लेना पड़ता है। यह प्रक्रिया काफी लंबी और थकाऊ होती है।

कमेटी ने प्रस्ताव दिया है कि चूंकि अब सभी वाहनों का डेटा 'वाहन' पोर्टल के केंद्रीय डिजिटल डेटाबेस में मौजूद है, इसलिए फिजिकल एनओसी की जरूरत नहीं होनी चाहिए। नए सिस्टम के तहत, जिस राज्य में गाड़ी जा रही है, वहां का आरटीओ ऑनलाइन ही पिछले राज्य का टैक्स रिकॉर्ड, पेंडिंग चालान और आपराधिक मामलों की जांच कर लेगा। इससे 'ऑटो-जेनरेटेड क्लीयरेंस' मिल जाएगा और वाहन मालिक को पुराने आरटीओ जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

कमर्शियल वाहनों और अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक असर

इस बदलाव का सबसे बड़ा लाभ कमर्शियल सेक्टर को होगा। अक्सर देखा जाता है कि अच्छी स्थिति वाले ट्रक और बसें केवल उम्र की सीमा के कारण कबाड़ घोषित कर दी जाती हैं, जिससे ट्रांसपोर्टरों को भारी आर्थिक चोट पहुँचती है। नई नीति लागू होने से सुरक्षित और फिट वाहन अपनी पूरी क्षमता तक काम कर सकेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से न केवल भ्रष्टाचार कम होगा, बल्कि पुरानी गाड़ियों के 'री-सेल' मार्केट में पारदर्शिता आएगी और वाहन मालिकों की संपत्ति (ASSETS) की वैल्यू भी सुरक्षित रहेगी।

अब 'उम्र' नहीं, 'फिटनेस' तय करेगी गाड़ी की लाइफ

समाचार का दूसरा सबसे बड़ा पहलू गाड़ियों की समय सीमा से जुड़ा है। अब तक कई राज्यों और विशेषकर दिल्ली-एनसीआर में 15 साल पुराने पेट्रोल और 10 साल पुराने डीजल वाहनों पर पाबंदी है।

नीति आयोग की कमेटी ने अंतरराष्ट्रीय मानकों का हवाला देते हुए सुझाव दिया है कि किसी भी वाहन को केवल उसकी उम्र के आधार पर सड़क से नहीं हटाया जाना चाहिए। इसके बजाय, 'फिटनेस आधारित दृष्टिकोण' अपनाया जाना चाहिए। इसका अर्थ यह है कि यदि कोई 15 साल पुरानी गाड़ी सख्त फिटनेस टेस्ट पास कर लेती है और प्रदूषण मानकों पर खरी उतरती है, तो उसे आगे भी चलाने की अनुमति दी जानी चाहिए।

ऑटोमेटेड टेस्टिंग सेंटर्स का जाल

खबर में यह भी स्पष्ट किया गया है कि फिटनेस आधारित व्यवस्था को सफल बनाने के लिए देशभर में 'ऑटोमेटेड टेस्टिंग सेंटर्स' की संख्या बढ़ानी होगी। इन सेंटर्स पर मशीनों के जरिए बिना मानवीय हस्तक्षेप के जांच होगी, जिससे कोई भी अनफिट गाड़ी सड़क पर न उतर सके। सरकार का लक्ष्य है कि 'डिजिटल इंडिया' का लाभ सीधे तौर पर देश के करोड़ों वाहन मालिकों को मिले और परिवहन व्यवस्था अधिक सुलभ और आधुनिक बने।

टोयोटा का 'मास्टरस्ट्रोक'

रूमियन के नए 'E' वैरिएंट ने मचाई ऑटो जगत में खलबली

26.11 किमी का बेमिसाल माइलेज और टोयोटा का 'अभेद्य' सुरक्षा कवच; अर्टिगा के दबदबे को चुनौती देने उतरी सबसे किफायती 7-सीटर MPV

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)| भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार के इतिहास में कुछ ही ऐसे मौके आते हैं जब एक दिग्गज कंपनी अपनी लोकप्रिय कार की कीमत में लगभग एक लाख रुपए की कटौती कर सबको चौंका दे। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने ठीक ऐसा ही किया है। अपनी लोकप्रिय मल्टी-पर्पज व्हीकल रूमियन का नया बेस वैरिएंट 'E' लॉन्च कर टोयोटा ने न केवल बाजार के समीकरण बदल दिए हैं, बल्कि उन लाखों भारतीय परिवारों की उम्मीदों को पंख दे दिए हैं जो एक सस्ती, सुरक्षित और भरोसेमंद 7-सीटर कार की तलाश में थे।

नए 'E' वैरिएंट की एक्स-शोरूम कीमत 9.56 लाख तय की गई है। इस कदम के साथ टोयोटा ने रूमियन की शुरुआती कीमत को पहले के मुकाबले 95,000 रुपए कम कर दिया है। यह खबर उन लोगों के लिए किसी उत्सव से कम नहीं है, जो मारुति सुजुकी अर्टिगा के बजट में टोयोटा का 'प्रीमियम' अनुभव चाहते थे।

डिजाइन की बारीकियां: जब सादगी और भव्यता का मेल हुआ

टोयोटा रूमियन को पहली नजर में देखने पर आपको 'इनोवा' की विरासत साफ नजर आएगी। हालांकि यह कार मारुति अर्टिगा के प्लेटफॉर्म पर आधारित है, लेकिन टोयोटा के इंजीनियरों ने इसके 'फेस' पर काफी काम किया है।

- **फ्रंट ग्रिल का आकर्षण:** कार का सबसे प्रमुख हिस्सा इसकी फ्रंट ग्रिल है। इसमें हनीकॉम्ब पैटर्न का इस्तेमाल किया गया है जो पूरी तरह से क्रोम से घिरा हुआ है। यह डिजाइन इसे एक मस्कुलर और प्रीमियम लुक देता है, जो आमतौर पर महंगी गाड़ियों में देखा जाता है।
- **रोशनी का नया अंदाज:** ग्रिल के दोनों ओर इंटीग्रेटेड LED DRLS के साथ LED प्रोजेक्टर हेडलैंप का सेटअप दिया गया है। यह न केवल रात में सड़क पर रोशनी का बेहतर फैलाव सुनिश्चित करता है, बल्कि कार को एक आधुनिक 'शार्प' लुक भी प्रदान करता है।
- **डायमंड-कट अलॉय व्हील्स:** रूमियन के साइड प्रोफाइल को और भी आकर्षक बनाने के लिए इसमें नए 7-स्पोक डायमंड-कट अलॉय व्हील दिए गए हैं। ये व्हील अर्टिगा से पूरी तरह अलग हैं और कार की 'स्टांस' को और अधिक दमदार बनाते हैं।

परफॉर्मेंस और माइलेज: जेब पर हल्की, सड़क पर दमदार

हरियाणा और दिल्ली जैसे राज्यों में, जहाँ लोग लंबी यात्राओं के शौकीन हैं, वहां गाड़ी का माइलेज सबसे बड़ा फैक्टर होता है। रूमियन यहाँ अपनी श्रेणी में 'चैंपियन' साबित होती है।

- **इंजन की शक्ति:** इसमें मारुति का परीक्षित 1.5-लीटर नेचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन लगा है। यह इंजन 103HP की पावर और 137NM का टॉर्क जनरेट करता है।
- **माइलेज का जादू:** टोयोटा का दावा है कि पेट्रोल मैनुअल में यह 20.52 KMPL और CNG मोड में 26.11 KM/KG का माइलेज देती है।
- **नियो ड्राइव टेक्नोलॉजी:** टोयोटा ने इस कार को 'नियो ड्राइव' (इंटीग्रेटेड स्टार्टर जेनरेटर - ISG) तकनीक से लैस किया है, जो ट्रैफिक के दौरान ईंधन की बर्बत को रोकती है और पिकअप को स्मूथ बनाती है।

रूमियन के 5 सबसे बड़े 'वैल्यू' पॉइंट्स

- **कीमत में भारी बचत:** नया बेस वैरिएंट आने से शुरुआती कीमत अब 9.56 लाख हो गई है।
- **टोयोटा का भरोसा:** टोयोटा की आफ्टर-सेल्स सर्विस और लंबी वारंटी का लाभ।
- **स्पेस का प्रबंधन:** 7-सीटर लेआउट के साथ 550 लीटर तक का विस्तार योग्य बूट स्पेस।
- **हाई-टेक कनेक्टिविटी:** स्मार्टफोन और स्मार्टवॉच से कार के फीचर्स को कंट्रोल करने की सुविधा।
- **सुरक्षा सर्वोपरि:** 6 एयरबैग्स (टॉप मॉडल) और ABS-EBD जैसे स्टैंडर्ड फीचर्स।

आरामदायक इंटीरियर: घर जैसा अहसास

रूमियन का इंटीरियर उन लोगों के लिए स्वर्ग है जो लंबे सफर पर परिवार के साथ जाते हैं। केबिन के भीतर बेज और ब्लैक का ड्यूल-टोन ट्रीटमेंट दिया गया है, जो काफी क्लासी लगता है।

- **सीटिंग फ्लेक्सिबिलिटी:** दूसरी रो की सीटें 60:40 स्प्लिट फंक्शन के साथ आती हैं। इन्हें न केवल स्लाइड किया जा सकता है, बल्कि तीसरी रो में जाने के लिए इन्हें एक क्लिक पर फोल्ड भी किया जा सकता है।
- **एंटरटेनमेंट और तकनीक:** इसमें 7-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम है, जो वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कारप्ले को सपोर्ट करता है। यानी अब आपको केबिन में तारों (WIRES) के जंजाल से मुक्ति मिलेगी।
- **कूलिंग:** दूसरी और तीसरी रो के यात्रियों के लिए रूफ-माउंटेड AC वेंट्स दिए गए हैं, जो तपती गर्मी में भी केबिन को मिनटों में ठंडा कर देते हैं।

बाजार का नया मुकाबला: अर्टिगा बनाम रूमियन

टोयोटा रूमियन का सीधा मुकाबला अपनी ही 'जुड़वां बहन' मारुति अर्टिगा से है। लेकिन यहाँ कुछ सूक्ष्म अंतर हैं जो रूमियन को भारी बनाते हैं।

- **वारंटी:** टोयोटा आमतौर पर बेहतर वारंटी पैकेज पेश करता है।
- **ब्रांड वैल्यू:** भारतीय बाजार में टोयोटा के बैज को 'प्रीमियम' माना जाता है।
- **डिजाइन:** रूमियन का फ्रंट लुक अर्टिगा के मुकाबले ज्यादा आक्रामक और 'इनोवा' जैसा है।

नया 'E' वैरिएंट उन टैक्सी ऑपरेटरों के लिए भी वरदान है जो टोयोटा के टिकाऊपन पर भरोसा करते हैं, लेकिन पहले कीमत की वजह से पीछे हट जाते थे।

सुरक्षा और स्मार्ट फीचर्स - सुरक्षा में कोई समझौता नहीं

टोयोटा ने रूमियन को एक सुरक्षित फैमिली कार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है:

- **हिल होल्ड असिस्ट:** ढलान पर गाड़ी को पीछे लुढ़कने से रोकता है।
- **इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी प्रोग्राम:** तेज मोड़ पर गाड़ी पर नियंत्रण बनाए रखता है।
- **स्मार्ट कनेक्ट:** आप अपने फोन से ही कार का AC ऑन कर सकते हैं या कार की लोकेशन ट्रैक कर सकते हैं। यह फीचर विशेष रूप से पार्किंग में गाड़ी ढूंढने के समय बहुत काम आता है।

क्या यह आपके लिए सही कार है?

यदि आप एक ऐसी कार ढूंढ रहे हैं जिसमें आपके माता-पिता, बच्चे और सामान—सब कुछ आराम से आ जाए, और जिसका माइलेज आपकी जेब पर बोझ न बने, तो टोयोटा रूमियन का नया 'E' वैरिएंट आपके लिए ही बना है। 9.56 लाख में एक ब्रांडेड 7-सीटर मिलना आज के महंगाई के दौर में एक बेहतरीन डील है। टोयोटा ने इस कार के साथ 'क्लास' और 'मास' दोनों को साधने की सफल कोशिश की है।

सड़कों पर मचेगा 'गॉथम सिटी' जैसा रोमांच

महिंद्रा BE 6 का 'बैटमैन एडिशन' रिलॉन्च; 28.49 लाख में घर लाएं सुपरहीरो की सवारी!

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) | भारतीय सड़कों पर अब केवल गाड़ियां नहीं, बल्कि 'सुपरहीरो' दौड़ेंगे। देसी ऑटो दिग्गज महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपनी सबसे चर्चित इलेक्ट्रिक एसयूवी BE 6 का 'बैटमैन एडिशन' एक बार फिर भारतीय बाजार में उतार दिया है। DC कॉमिक्स के साथ आधिकारिक साझेदारी के तहत तैयार किया गया यह स्पेशल एडिशन उन लोगों के लिए है जो साधारण से हटकर कुछ 'एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी' चाहते हैं।

बुकिंग की अनोखी रणनीति: 24 घंटे में तय होगा आपका भाग्य

महिंद्रा ने इस बार इस कार की बिक्री के लिए एक ऐसी रणनीति अपनाई है जो ऑटो जगत में चर्चा का विषय बनी हुई है। पिछली बार कंपनी ने केवल 300 यूनिट्स ही बेची थीं, जिससे कई प्रशंसक निराश रह गए थे। इस बार कंपनी ने 'लिमिटेड पीरियड' के बजाय 'लिमिटेड टाइम' ऑफर पेश किया है।

- **बुकिंग विंडो:** 10 मार्च 2026, सुबह 11:00 बजे से अगले 24 घंटों के लिए।
- **डिमांड-बेस्ड प्रोडक्शन:** इन 24 घंटों में जितनी बुकिंग प्राप्त होंगी, कंपनी ठीक उतनी ही कारों का निर्माण करेगी।
- **डिलीवरी का वादा:** कंपनी ने तेजी दिखाते हुए 20 अप्रैल 2026 से डिलीवरी शुरू करने की घोषणा की है।

एक्सटीरियर: सैटिन ब्लैक और गोल्डन फिनिश का जादुई संगम

महिंद्रा BE 6 का 'बैटमैन एडिशन' इसके टॉप 'पैक थ्री' वैरिएंट पर आधारित है, लेकिन इसके बाहरी रूप-रंग को पूरी तरह से 'बैटमैन' की पसंद के अनुसार ढाला गया है।

- **डार्क नाइट थीम:** पूरी कार को सैटिन ब्लैक कलर में रंगा गया है, जो इसे रात के अंधेरे में एक रहस्यमयी लुक देता है।
- **गोल्डन टच:** ब्लैक और गोल्ड का कॉम्बिनेशन इसे रॉयल लुक देता है। कार के सस्पेंशन और ब्रेक कैलिपर्स को गोल्डन फिनिश दी गई है, जो 20-इंच के बड़े अलॉय व्हील्स के पीछे से चमकते हुए नजर आते हैं।
- **सिग्नेचर लोगो:** फ्रंट फेंडर, रियर बम्पर और व्हील कैप्स पर प्रतिष्ठित 'बैटमैन' लोगो लगाया गया है। पडल लैंप्स भी दरवाजे खुलते ही जमीन पर बैटमैन का लोगो प्रोजेक्ट करते हैं।

इंटीरियर: 'बैटकेव' जैसा आलीशान केबिन

कार के अंदर कदम रखते ही आपको ऐसा महसूस होगा कि आप किसी लग्जरी स्पोर्ट्स कार नहीं, बल्कि खुद बैटमैन की 'बैटमोबाइल' में बैठे हैं।

- **यूनिक नंबर प्लेट:** सेंटर कंसोल पर एक गोल्डन प्लेट लगी है, जिस पर हर कार का एक यूनिक प्रोडक्शन नंबर अंकित होगा। इसका मतलब है कि आपकी कार दुनिया में इकलौती होगी।
- **प्रीमियम सीटिंग:** ऑल-ब्लैक केबिन में सीटों पर ब्लैक स्वेड लेदर और गोल्डन स्टिचिंग का इस्तेमाल किया गया है, जिस पर बैटमैन का लोगो खूबसूरती से उकेरा गया है।
- **बूस्ट मोड:** स्टीयरिंग व्हील पर एक 'बूस्ट' बटन दिया गया है, जिस पर भी बैटमैन का लोगो है। यह बटन कार को पलक झपकते ही सुपर-फास्ट रफ्तार देने के काम आता है।

अत्याधुनिक फीचर्स: मनोरंजन और सुरक्षा का नया स्तर

यह कार केवल दिखावे में नहीं, बल्कि तकनीक में भी 'सुपरहीरो' है।

- **डुअल स्क्रीन सेटअप:** डैशबोर्ड पर 12.3-इंच की दो बड़ी स्क्रीन दी गई हैं, जो इंफोटेनमेंट और ड्राइवर की जानकारी के लिए हैं।
- **साउंड सिस्टम:** संगीत प्रेमियों के लिए इसमें 16-स्पीकर वाला हरमन कार्डन साउंड सिस्टम दिया गया है, जो केबिन को चलते-फिरते थिएटर में बदल देता है।
- **ADAS लेवल-2:** सुरक्षा के लिए इसमें एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (ADAS) दिया गया है, जो ऑटोमैटिक इमरजेंसी ब्रेकिंग और लेन कीप असिस्ट जैसे फीचर्स के साथ आता है।

कितनी ढीली होगी आपकी जेब?

महिंद्रा ने इसकी कीमत पुराने मॉडल की तुलना में 70,000 ज्यादा रखी है।

- **एक्स-शोरूम कीमत:** 28.49 लाख।
- **चार्जर की लागत:** 50,000 से 75,000 अतिरिक्त (क्षमता के अनुसार)।
- **वारंटी:** कंपनी बैटरी और मोटर पर विशेष लंबी वारंटी का वादा कर रही है।

'फ्यूचरिस्टिक' हुंडई वरना

10.98 लाख की शुरुआती कीमत में लॉन्च; सुरक्षा के लिए मिले 7 एयरबैग्स और डैशकैम

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) | हुंडई मोटर इंडिया ने अपनी सबसे लोकप्रिय सेडान 'वरना' का नया और एडवांस मॉडल भारतीय बाजार में उतार दिया है। 9 मार्च को लॉन्च हुई इस लग्जरी सेडान की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 10.98 लाख तय की गई है। हुंडई ने इस बार 'वरना' के डिजाइन, सेफ्टी और टेक्नोलॉजी में 25 से ज्यादा बड़े बदलाव किए हैं, जो इसे अपने सेगमेंट की सबसे आधुनिक कार बनाते हैं।

डिजाइन और स्पोर्टी लुक

नई वरना का एक्सटीरियर अब पहले से कहीं ज्यादा आक्रामक और प्रीमियम नजर आता है। इसमें ब्लैक क्रोम रेडिएटर ग्रिल, डुअल LED प्रोजेक्टर हेडलैंप्स और नए डिजाइन के स्पोर्टी बंपर दिए गए हैं। कार को खास लुक देने के लिए 16-इंच के डायमंड-कट अलॉय व्हील्स लगाए गए हैं। हुंडई ने दो नए आकर्षक कलर— 'क्लासी ब्लू' और 'टाइटन ग्रे मैट' भी पेश किए हैं।

सेगमेंट में पहली बार मिले ये फीचर्स

वरना के इंटीरियर को और भी ज्यादा आरामदायक बनाया गया है। इसमें सेगमेंट में पहली बार 'इलेक्ट्रिक वॉक-इन डिवाइस' दिया गया है, जिससे पीछे बैठने वाले यात्रियों के लिए जगह बनाना आसान हो जाता है। इसके अलावा, 8-वे इलेक्ट्रिक एडजस्टेबल ड्राइवर सीट, मेमोरी फंक्शन और स्मार्ट ट्रंक जैसे लग्जरी फीचर्स इसे खास बनाते हैं।

सुरक्षा का 'सुपर कवच'

हुंडई ने सुरक्षा के मामले में नए मानक स्थापित किए हैं। नई वरना अब 7 एयरबैग्स और इन-बिल्ट डैशकैम के साथ आने वाली अपने सेगमेंट की पहली सेडान है। साथ ही, इसमें लेवल-2 ADAS (एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम) तकनीक दी गई है, जिसमें सराउंड व्यू मॉनिटर और ब्लाइंड-स्पॉट मॉनिटर जैसे 75 से ज्यादा सेफ्टी फीचर्स शामिल हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की भारत पर रिपोर्ट के अनुसार देश में करीब 22 करोड़ लोगों को हाई बीपी यानी हाइपरटेंशन की समस्या है। इनमें से केवल 12 प्रतिशत ही अपना ब्लड प्रेशर नियंत्रित रख पाते हैं। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के आंकड़ें भी कुछ ऐसी ही तस्वीर पेश करते हैं। इसके बावजूद भारत में इलाज कराने वाले लोगों की संख्या बढ़ रही है, राष्ट्रीय स्तर पर कंट्रोल दर 12 से 13 प्रतिशत ही है।

एक अन्य अध्ययन के अनुसार, देश में हर चार में से एक वयस्क को हाई ब्लड प्रेशर है। इसकी मौजूदगी पुरुषों, शहरी इलाकों, अधिक उम्र के लोगों (60 से ज्यादा) में अधिक देखने को मिल रही है। बीते दो दशक में सामाजिक और आर्थिक स्तर पर कमजोर लोगों में भी अब उच्च रक्तचाप के मामले बढ़ रहे हैं। विशेषज्ञ इस बात को लेकर भी चिंता जताते हैं कि कुछ मरीजों में दवा लेने के बावजूद ब्लड प्रेशर बढ़ा रहता है।

ब्लड प्रेशर काबू रखने में दवाओं की बड़ी भूमिका है। हालांकि, कई बार दवा लेने के बावजूद ब्लड प्रेशर बढ़ा रहता है। मौसम, प्रदूषण, शारीरिक स्थिति, जीवनशैली से लेकर दवा लेने में लापरवाही जैसी कई बातें ब्लड प्रेशर के स्तर पर असर डाल सकती हैं...

दवा के बावजूद अगर बढ़ा रहे बीपी...

अगर इलाज न करे असर

1. **समस्या को नए सिरे से समझें :** समस्या व ज्यादातर लोग तनाव या दवा की गलत डोज को रेजिस्टेंट हाइपरटेंशन का जिम्मेदार मानते हैं। यह एक खास स्थिति है, जिसमें तीन या ज्यादा दवाएं, जिसमें एक पेशाब वर्द्धक दवा भी शामिल होती है, लेने के बावजूद व्यक्ति का ब्लड प्रेशर अधिक रहता है। ऐसे में असली कारण का पता लगाए बिना बार-बार दवा की खुराक बदलना खतरनाक हो सकता है। सबसे पहले गहन जांच जरूरी है।

2. **दवा और जांच में मनमर्जी न करें :** हार्ट जर्नल के अनुसार, हाइपरटेंशन वाले 50 से 80% लोग डॉक्टर के बताए अनुसार बीपी की दवा नहीं लेते हैं। दवा का महंगा होना, गलत जानकारी के कारण लोग दवा सही तरीके से नहीं ले पाते हैं, जो समस्या बढ़ा देता है। ज्यादातर मरीज नियमित बीपी जांच में भी लापरवाही बरतते हैं।

3. **दूसरे कारकों की भी भूमिका पर ध्यान दें :** कभी-कभी शरीर के अंदर होने वाली क्रिया-प्रतिक्रिया भी हाई बीपी का कारण बन जाती है। ओवरएक्टिव सिम्पैथेटिक नर्वस सिस्टम शरीर को तनाव में रखता है, जिससे इलाज के बावजूद ब्लड प्रेशर में आराम नहीं मिलता। किडनी की बीमारी, हार्मोनल असंतुलन (जैसे थायरॉइड फंक्शन से जुड़ी समस्या) या अनिद्रा जैसे कारक हाई ब्लड प्रेशर काबू होने नहीं देते हैं। कुछ दवाएं जैसे दर्द निवारक, स्टेरॉएड और एंटीडिप्रेसेंट, खराब जीवनशैली, ज्यादा नमक, शराब व धूम्रपान करना, वजन बढ़ना या लगातार तनाव भी स्थिति बिगाड़ देते हैं।

अगर बीपी नियंत्रित नहीं रहता, तो इंटरवेंशनल इलाज के विकल्प उभर रहे हैं। इनमें से एक है रीनल डिनरवेशन। यह एक मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया है, जिसमें किडनी के आसपास की ओवरएक्टिव नसों को निष्क्रिय करके ब्लड प्रेशर कम करने में मदद मिलती है।

सर्दी में बढ़ न जाए समस्या

इंडियन हार्ट जर्नल के एक लेख के अनुसार, उत्तरी भारत में हुई रिसर्च में पाया गया कि ठंड में लोगों में हाई बीपी की समस्या 23.72% हो गई, जबकि गर्मियों में यह दर 10.12% थी। बच्चों में भी ऐसा पैटर्न रहा, उनमें ठंड में 29.4% बीपी बढ़ने का मामला मिला, जो गर्मियों के 18.7% के मुकाबले ज्यादा था।

ठंड के कारण रक्त वाहिकाएं सिकुड़ जाती हैं, जिससे दिल पर दबाव बढ़ता है, जिससे सिस्टोलिक और डायस्टोलिक बीपी में उतार-चढ़ाव होता है। इसके अलावा, ठंड में लोग कम सक्रिय होते हैं, प्रदूषण बढ़ जाता है व लोग अधिक तला-भुना खाते हैं। इससे भी ब्लड प्रेशर बढ़ता है। ठंडा तापमान सिम्पैथेटिक नर्वस सिस्टम को भी स्टिम्युलेट कर सकता है। इससे स्ट्रेस हार्मोन रिलीज होते हैं, जो हृदय गति बढ़ाते हैं और नसों को संकुचित करते हैं।

ब्लड प्रेशर को जानें : जब दिल खून को पंप करता है, तो इसका दबाव धमनियों की दीवारों पर बनता है, यह दबाव ही ब्लड प्रेशर कहलाता है।

सिस्टोलिक प्रेशर में दिल सिकुड़ता है। यह ब्लड प्रेशर का ऊपर का नंबर है। जब दिल दो धड़कनों के बीच आराम करता है, तो नीचे का नंबर या डायस्टोलिक प्रेशर बनता है। एक सामान्य रीडिंग आमतौर पर 120/80 एमएम एचजी से कम होती है, जबकि हाई ब्लड प्रेशर या हाइपरटेंशन 130/80 एमएम एचजी उससे ज्यादा होती है। हाई ब्लड प्रेशर में ब्लड का दबाव लगातार बहुत अधिक रहता है, जिससे धमनियों को नुकसान हो सकता है। लंबे समय तक ऐसा रहने पर स्ट्रोक, किडनी और दिल की बीमारी जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

क्या है रेजिस्टेंट हाइपरटेंशन?

सही दवा और एहतियात के बावजूद ब्लड प्रेशर ज्यादा बना रहता है, तो इसे रेजिस्टेंट हाइपरटेंशन कहा जाता है। रेजिस्टेंट हाइपरटेंशन होना संकेत है कि हमें ब्लड प्रेशर की गहराई से जांच कराए जाने की जरूरत है। यह सेकेंडरी कारणों जैसे रीनल आर्टरी स्टेनोसिस या हार्मोनल असंतुलन या ब्लड प्रेशर को मापने और समझने के तरीके में समस्याओं का संकेत दे सकता है। लगातार बढ़े हुए बीपी की अनेदखी करना खतरनाक हो सकता है।

जरूरत पड़ जाए तो करें उपाय

- तुरंत आराम करें और तनाव कम करें
- नमक का सेवन तुरंत कम कर दें
- बीपी मॉनिटर करते रहें। डॉक्टर द्वारा निर्धारित दवा समय पर लें
- बहुत ठंड में जाने से बचें। कैफीन और शराब का सेवन नहीं करें।
- यदि बीपी 180/120 से अधिक है, तो तुरंत डॉक्टर के पास जाएं।

दवाओं की अहम भूमिका

- दवा का चुनाव व्यक्तिगत सेहत, उम्र, दिल व किडनी की स्थिति के आधार पर करते हैं। कुछ मरीजों में खून के थक्के बनने का खतरा होता है। ऐसे में उन्हें एंटीकोआगुलेंट्स (खून पतला करने की दवा) दी जाती हैं। पर सबको इसकी जरूरत नहीं है। खुद से इसे लेने से रक्तस्राव हो सकता है।
- सब पर एक ही दवा समान रूप से असर नहीं करती है। हाल के सालों में कई नए कंबाइंड फार्मूलेशन लॉन्च हुए हैं। इससे मरीजों को कम गोलियां लेनी पड़ती हैं।
- बीपी की दवा कार्डियोलॉजिस्ट की देखरेख में ही लें।

रखिए पूरा ध्यान...

1. नियमित निगरानी: जिन्हें पहले से हाई ब्लड प्रेशर या हृदय रोग हैं या 40 साल से अधिक उम्र हैं, वे नियमित बीपी की जांच करें। आप घर भी जांच कर सकते हैं। लगातार बीपी बढ़ा रहे, तो तुरंत डॉक्टर से मिलें।

2. सही दवा समय पर लें: व्यक्ति की स्थिति के अनुसार बीपी की अलग-अलग दवाएं होती हैं, जैसे शरीर से ज्यादा सोडियम और पानी निकालने में मदद कर या ब्लड वेसल्स को आराम देकर बीपी कंट्रोल करने वाली दवाएं, इसलिए डॉक्टर से पूछ कर ही दवा ले।

3. संतुलित डाइट: साबुत अनाज, फल, हरी सब्जियां, दालें, कम फैट वाले डेयरी प्रोडक्ट्स, कम कोलेस्ट्रॉल वाला खाना खाएं। नमक कम खाएं। प्रोसेस्ड फूड, अचार, पनीर आदि कम खाएं। फाइबर व ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर चीजें जैसे ओट्स, दलहन, अखरोट व अलसी खाएं। तली-भुनी व मैदे से बनी चीजों से बचें।

4. व्यायाम और सक्रिय जीवनशैली: जितना हो सके सक्रिय रहे। अधिक ठंड में घर पर ही व्यायाम करें। शरीर का सक्रिय रहना रक्त संचार बेहतर रखता है।

5. तनाव कम करें और पर्याप्त नींद लें: तनाव मुक्त रहने की कोशिश करें। ध्यान, गहरी सांस, अनुलोम-विलोम प्राणायाम का अभ्यास करें। 7-8 घंटे की पर्याप्त नींद बीपी नियंत्रित रखने में मदद करती है।

6. अल्कोहल और धूम्रपान से दूरी: नई गाइडलाइन के अनुसार, हाई बीपी वाले धूम्रपान व शराब से पूरी तरह दूर रहें। पर्याप्त गर्म कपड़े पहने। रक्त गाढ़ा होने से बचाने के लिए पर्याप्त पानी पीते रहे।

किडनी की बीमारियों से सुरक्षा कवच है 'EAT-लैंसेट डाइट'
13.8 करोड़ मरीजों वाले देश में नई उम्मीद

आधुनिक जीवनशैली की चकाचौंध और खान-पान की गलत आदतों ने भारतीय समाज को बीमारियों के एक ऐसे चक्रव्यूह में फंसा दिया है, जहाँ 'क्रॉनिक किडनी डिजीज' (CKD) अब एक महामारी का रूप ले रही है। स्वास्थ्य जगत की प्रतिष्ठित पत्रिका 'द लैंसेट' की हालिया ग्लोबल स्टडी के चौंकाने वाले आंकड़े बताते हैं कि साल 2023 तक भारत में करीब 13.8 करोड़ लोग किडनी की गंभीर बीमारियों से जूझ रहे थे। हृदय रोगों के बाद किडनी की बीमारियाँ भारत में मृत्यु का दूसरा सबसे बड़ा कारण बन चुकी हैं।

इस गंभीर संकट के बीच 'कैनेडियन मेडिकल एसोसिएशन जर्नल' में प्रकाशित एक नई रिसर्च ने आशा की नई किरण दिखाई है। शोधकर्ताओं का दावा है कि 'EAT-लैंसेट डाइट' को अपनाकर किडनी फेलियर और इससे जुड़ी अन्य जटिलताओं के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है। यह डाइट न केवल हमारे शरीर को पोषण देती है, बल्कि पृथ्वी के पर्यावरण को भी सुरक्षित रखने में सक्षम है।

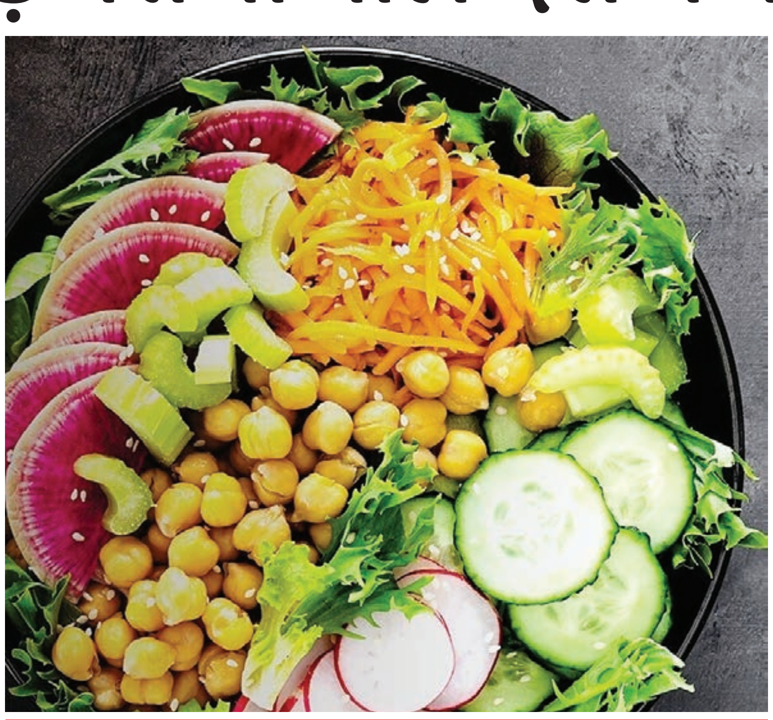

क्या है EAT-लैंसेट डाइट? ओस्लो से शुरू हुआ सेहत का सफर

ईट-लैंसेट डाइट महज एक डाइट चार्ट नहीं, बल्कि 16 देशों के 37 शीर्ष वैज्ञानिकों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा तैयार किया गया एक वैश्विक 'फूड मॉडल' है। इसकी आधिकारिक शुरुआत 17 जनवरी 2019 को नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में हुई थी। विशेषज्ञों का मुख्य उद्देश्य एक ऐसा खान-पान का तरीका विकसित करना था जो मानव स्वास्थ्य के साथ-साथ प्रकृति के प्रति भी सस्टेनेबल (टिकाऊ) हो।

इसे 'फ्लेक्सिटेरियन डाइट' या 'प्लैनेटरी हेल्थ डाइट' भी कहा जाता है। इसमें मुख्य रूप से प्लांट-बेस्ड भोजन यानी पौधों से मिलने वाले खाद्य पदार्थों पर जोर दिया जाता है। दालें, साबुत अनाज, ताजे फल, हरी सब्जियां और मेवे इसके मुख्य स्तंभ हैं, जबकि मांस, डेयरी उत्पादों और प्रोसेस्ड शुगर की मात्रा को न्यूनतम रखा जाता है।

क्यों जरूरी है यह ग्लोबल कंसेंसस डाइट?

दुनिया भर के विशेषज्ञों ने ईट-लैंसेट डाइट को तीन मुख्य आधारों पर 'ग्लोबल कंसेंसस' (वैश्विक सहमति) का दर्जा दिया है:

- **पूर्ण पोषण:** यह शरीर की दैनिक आवश्यकताओं जैसे प्रोटीन, विटामिन और खनिजों की पूर्ति संतुलित तरीके से करती है।
- **पर्यावरण सुरक्षा:** पशुपालन और मांस उत्पादन से होने वाले कार्बन उत्सर्जन और पानी की खपत को कम करने में यह डाइट मॉडल सहायक है।
- **भविष्य की पीढ़ी:** यह संसाधनों के ऐसे उपयोग को बढ़ावा देती है जो भविष्य की पीढ़ियों के लिए भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित कर सके।

स्वस्थ किडनी के लिए लाइफस्टाइल मंत्र

डाइट के साथ-साथ राजधानी चौपाल आपको ये जरूरी आदतें बदलने की सलाह देता है:

- **पानी का गणित:** दिनभर में कम से कम 8-10 गिलास पानी पिएं, ताकि टॉक्सिन्स बाहर निकलते रहें।
- **नमक से दूरी:** अधिक नमक हाई बीपी का कारण बनता है, जो किडनी का सबसे बड़ा दुश्मन है।
- **पेनकिलर्स का कम उपयोग:** बिना डॉक्टरी सलाह के दर्द निवारक दवाएं किडनी को सुखा सकती हैं।
- **नियमित व्यायाम:** दिन में कम से कम 30 मिनट पैदल चलना किडनी के रक्त संचार को बेहतर करता है।
- **समय पर जांच:** साल में कम से कम एक बार 'किडनी फंक्शन टेस्ट' जरूर करवाएं।

ईट-लैंसेट डाइट के बेमिसाल हेल्थ बेनिफिट्स

राजधानी चौपाल के पाठकों के लिए इस डाइट के फायदों का सार यहाँ दिया गया है:

- **हृदय रोगों से बचाव:** कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित कर धमनियों को स्वस्थ रखती है।
- **डायबिटीज कंट्रोल:** साबुत अनाज के कारण इंसुलिन रेजिस्टेंस में सुधार होता है।
- **मोटापे पर लगाम:** कम कैलोरी और अधिक फाइबर वजन घटाने में मददगार है।
- **बेहतर पाचन:** उच्च फाइबर कब्ज जैसी समस्याओं को दूर करता है।
- **ब्लड प्रेशर प्रबंधन:** पोटैशियम युक्त सब्जियों से बीपी सामान्य रहता है।
- **किडनी स्टोन से सुरक्षा:** साइट्रेट का स्तर बढ़ाकर पथरी को रोकती है।
- **इम्युनिटी बूस्टर:** विटामिन्स की प्रचुरता रोगों से लड़ने की शक्ति देती है।
- **मस्तिष्क स्वास्थ्य:** मेवे और हेल्दी ऑयल याददाश्त को बेहतर बनाते हैं।
- **पर्यावरणीय योगदान:** आपकी थाली पृथ्वी को बचाने में मदद करती है।

किडनी फंक्शन को कैसे सपोर्ट करती है यह डाइट? विशेषज्ञ की राय

प्रसिद्ध क्लीनिकल डाइटिशियन और 'वनडाइटटुडे' की फाउंडर डॉ. अनु अग्रवाल के अनुसार, ईट-लैंसेट डाइट किडनी की कार्यप्रणाली को तीन प्रमुख वैज्ञानिक स्तरों पर मजबूती प्रदान करती है:

1. **प्रोटीन का दबाव कम करना :** अमूमन एनिमल प्रोटीन के पाचन के दौरान शरीर में नाइट्रोजनयुक्त अपशिष्ट अधिक बनता है, जिसे छानने के लिए किडनी को बहुत अधिक मेहनत करनी पड़ती है। इसके विपरीत, इस डाइट में मौजूद प्लांट-बेस्ड प्रोटीन (दालें, बीज, नट्स) किडनी पर अतिरिक्त दबाव नहीं डालते।
2. **आंतों और किडनी का गहरा संबंध (गट-किडनी एक्सिस) :** इस डाइट में फाइबर की मात्रा बहुत अधिक होती है। हाई फाइबर भोजन हमारे 'गट माइक्रोबायोम' (आंतों के अच्छे बैक्टीरिया) को बेहतर बनाता है। जब आंतें स्वस्थ होती हैं, तो शरीर में ऐसे टॉक्सिन्स कम बनते हैं जो रक्त के माध्यम से किडनी को नुकसान पहुँचाते हैं।
3. **सूजन और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाव :** ताजे फलों और सब्जियों में प्रचुर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। ये तत्व शरीर के भीतर होने वाली जलन को कम करते हैं और किडनी के नाजुक ऊतकों को डैमेज होने से बचाते हैं।

पथरी के जोखिम में बड़ी कमी

ईट-लैंसेट डाइट का एक और बड़ा फायदा यह है कि यह गुर्दे की पथरी के खतरे को कम करती है। इस डाइट में शामिल सब्जियां और साबुत अनाज मूत्र में 'साइट्रेट' की मात्रा को बढ़ाते हैं। साइट्रेट एक ऐसा प्राकृतिक तत्व है जो कैल्शियम को एक साथ चिपकने से रोकता है। जब कैल्शियम के क्रिस्टल नहीं बनते, तो पथरी बनने की प्रक्रिया स्वतः ही रुक जाती है।

सावधानी: किन्हें नहीं अपनानी चाहिए यह डाइट?

हर डाइट हर व्यक्ति के लिए सही नहीं होती। डॉ. अनु अग्रवाल चेतावनी देती हैं कि कुछ विशेष परिस्थितियों में ईट-लैंसेट डाइट लेने से पहले सावधानी बरतनी चाहिए:

- **एडवांस स्टेज के मरीज:** जो मरीज डायलिसिस पर हैं या जिनकी किडनी 70-80% तक डैमेज हो चुकी है, उन्हें पोटैशियम और फास्फोरस का स्तर बहुत ध्यान से मैनेज करना होता है। चूंकि इस डाइट में फल और सब्जियां अधिक हैं, इसलिए ऐसे मरीजों को बिना डॉक्टर की सलाह के इसे शुरू नहीं करना चाहिए।
- **गंभीर पोषण की कमी:** यदि कोई व्यक्ति गंभीर रूप से कुपोषित है या जिसे विटामिन B12 की भारी कमी है, उसे इस डाइट के साथ सप्लीमेंट्स की जरूरत पड़ सकती है क्योंकि इसमें एनिमल प्रोडक्ट्स न के बराबर हैं।

देसी घी के मालपुए और मलाईदार रबड़ी ने घोली रिश्तों में मिठास

मार्च का महीना आते ही हरियाणा की फिजाओं में फाल्गुन के लोकगीत और नगाड़ों की थाप सुनाई देने लगती है। लेकिन इस उत्सव का आनंद तब तक अधूरा रहता है, जब तक रसोई से देसी घी में तलते मालपुए की सोंधी महक न आने लगे। हरियाणा की पारंपरिक थाली में 'मालपुआ और रबड़ी' का स्थान किसी शाही दावत से कम नहीं है। विशेषकर होली और धुलेंडी के अवसर पर, जब गांवों की चौपालों पर गुलाल उड़ता है, तब घरों में मेहमानों का स्वागत चाशनी में डूबे हुए गरमा-गरम मालपुए और कढ़ाही में घंटों तक कढ़ी गई लच्छेदार ठंडी रबड़ी से किया जाता है। यह पकवान केवल पेट नहीं भरता, बल्कि हरियाणा की मेहमाननवाजी और संपन्न संस्कृति की झलक भी दिखाता है।

परंपरा का संगम: होली का त्योहार और मालपुए की बहार

हरियाणा में पकवानों का सीधा संबंध मौसम और फसलों से रहा है। मार्च के महीने में गेहूं की फसल पकने को तैयार होती है और मौसम न तो बहुत ठंडा रहता है और न ही बहुत गर्म। ऐसे में ऊर्जा से भरपूर मालपुआ शरीर को उत्सव की थकान से लड़ने की शक्ति देता है। बुजुर्गों का कहना है कि होली के हुड़दंग और 'कोड़ा मार' होली के बाद शरीर को जो सुकून और ऊर्जा चाहिए, वह मालपुए और रबड़ी के मेल से ही मिलता है। मालपुआ, जिसे भारतीय संस्कृति का सबसे पुराना 'पैनकेक' माना जा सकता है, हरियाणा में अपनी शुद्धता के लिए जाना जाता है। यहाँ इसे बनाने में वनस्पति तेल के बजाय केवल शुद्ध 'देसी घी' का प्रयोग किया जाता है, जो इसके स्वाद को सातवें आसमान पर पहुँचा देता है।

कैसे बनती है हरियाणा की असली 'लच्छेदार रबड़ी'

हरियाणा में पशुपालन की समृद्ध परंपरा के कारण यहाँ दूध की कोई कमी नहीं है। यहाँ की रबड़ी की खासियत यह है कि इसे चीनी से ज्यादा दूध की प्राकृतिक मिठास पर केंद्रित रखा जाता है।

- **धीमी आंच का जादू:** पीतल या लोहे की भारी कढ़ाही में भैंस के गाढ़े दूध को घंटों तक उबाला जाता है।
- **मलाई की परतें:** उबलते दूध के ऊपर आने वाली मलाई की परतों को किनारे पर जमा किया जाता है, जिससे अंत में 'लच्छे' तैयार होते हैं।
- **केसर और इलायची:** अंत में इसमें हल्की इलायची और केसर की खुशबू मिलाकर इसे ठंडा किया जाता है। मालपुए के साथ परोसी जाने वाली यह रबड़ी किसी भी विदेशी मिठाई को मात देने के लिए काफी है।

स्वाद के साथ सेहत: सामग्री का वैज्ञानिक महत्व

अक्सर लोग मालपुए को केवल एक मीठा पकवान मानते हैं, लेकिन इसके निर्माण में उपयोग की जाने वाली सामग्री बदलते मौसम (मार्च) के अनुकूल होती है।

- **सौंफ और काली मिर्च:** हरियाणा में मालपुए के घोल में सौंफ और थोड़ी सी काली मिर्च जरूर डाली जाती है। मार्च के महीने में गले में खराश और पाचन संबंधी समस्याएं आम होती हैं, जिसे सौंफ और काली मिर्च संतुलित करती हैं।
- **दूध और दही का मिश्रण:** इसके घोल को बनाने में दूध और थोड़े से दही का इस्तेमाल किया जाता है, जो इसे नरम बनाने के साथ-साथ सुपाच्य भी बनाता है।
- **देसी घी और ऊर्जा:** होली के दौरान होने वाली भागदौड़ और शारीरिक मेहनत के लिए घी से मिलने वाली कैलोरी बेहद जरूरी मानी जाती है।

बदलते दौर में मालपुए का नया स्वरूप

आजकल की बिजी लाइफस्टाइल में भी मालपुए का क्रेज कम नहीं हुआ है, लेकिन इसे बनाने के तरीकों में कुछ बदलाव आए हैं:

- **फ्रूट मालपुआ:** आजकल लोग बैटर में आम या केले का पल्प मिलाकर इसे नया फ्लेवर दे रहे हैं।
- **बेक्ड मालपुआ:** स्वास्थ्य के प्रति जागरूक युवा अब इसे घी में तलने के बजाय ओवन में बेक करना भी पसंद करते हैं।
- **गुड़ के मालपुए:** चीनी के विकल्प के रूप में हरियाणा के कई ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी गुड़ की चाशनी वाले मालपुए बनाए जाते हैं, जो सेहत के लिहाज से और भी बेहतर हैं।

हरियाणा में भोजन केवल भूख मिटाने का साधन नहीं है, बल्कि यह आपसी भाईचारे का प्रतीक है। होली के अगले दिन जब गाँवों में 'फाग' खेला जाता है, तो पूरे गांव के लिए सामूहिक रूप से मालपुए तैयार किए जाते हैं। बड़े-बड़े चूल्हों पर कड़ाहों में मालपुए तलना और फिर सबको रबड़ी के साथ खिलाना, सामाजिक समरसता को दर्शाता है।

अमेरिका-इजराइल और ईरान का महायुद्ध : ईरान की माफी के बाद कतर पर हमला, अमेरिका बोला - अब होगा सबसे भीषण प्रहार

ईरानी राष्ट्रपति ने पड़ोसी देशों से मांगी माफी; कोच्चि में रुका ईरान का युद्धपोत 'IRIS लावन', ट्रंप ने खामेनेई के बेटे के उत्तराधिकार को नकारा

तेहरान/तेल अवीव/नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)| मध्य-पूर्व (मिडिल ईस्ट) के रणक्षेत्र में जारी अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच भीषण सैन्य संघर्ष आज अपने आठवें दिन में प्रवेश कर गया है। युद्ध की विभीषिका के बीच कूटनीतिक और सामरिक मोर्चों पर ऐसी हलचल देखी जा रही है, जिसने पूरी दुनिया की सांसें थाम दी हैं। एक ओर ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने अप्रत्याशित रूप से पड़ोसी देशों से पिछले दिनों हुए हमलों के लिए सार्वजनिक माफी मांगी है, तो दूसरी ओर कतर पर हुए ताजा हमले और अमेरिका की महा-प्रहार की चेतावनी ने शांति की किसी भी धुंधली उम्मीद को खत्म कर दिया है।

अमेरिकी प्रशासन ने अब तक का सबसे कड़ा रुख अख्तियार करते हुए शनिवार रात ईरान पर 'सबसे बड़े हमले' का ऐलान कर दिया है। इस युद्ध की तपिश अब भारतीय तटों तक भी पहुंच गई है, जहां ईरान का एक शक्तिशाली युद्धपोत तकनीकी खराबी के बाद कोच्चि बंदरगाह पर शरण लिए हुए है। उधर, तेहरान में सत्ता के गलियारों में सन्नाटा पसरा है क्योंकि सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के संभावित उत्तराधिकारी उनके बेटे मोजतबा खामेनेई पिछले तीन दिनों से लापता हैं।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने शनिवार को एक नाटकीय बयान जारी करते हुए कहा कि ईरान अब पड़ोसी देशों पर तब तक हमले नहीं करेगा, जब तक कि उन देशों की जमीन से ईरान के खिलाफ कोई सैन्य कार्रवाई न की जाए। ईरानी मीडिया के अनुसार, राष्ट्रपति ने स्पष्ट किया कि ईरान की अंतरिम नेतृत्व परिषद ने कल ही इस फैसले को अपनी मंजूरी दी है। पेजेशकियन ने पिछले कुछ दिनों में पड़ोसी अरब देशों पर हुए मिसाइल और ड्रोन हमलों के लिए खेद प्रकट किया और माफी मांगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान इन देशों के साथ तनाव को और अधिक नहीं बढ़ाना चाहता और भविष्य में ऐसे 'अनचाहे' हमलों से बचने की पूरी कोशिश करेगा। हालांकि, ईरान के इन शांति संदेशों की विश्वसनीयता पर उस समय गंभीर सवाल खड़े हो गए, जब इस बयान के कुछ ही मिनटों बाद कतर पर एक भीषण हवाई हमला किया गया। रणनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान के भीतर नेतृत्व के विभिन्न धड़ों के बीच तालमेल की भारी कमी है। एक तरफ राष्ट्रपति शांति की बात कर रहे हैं, तो दूसरी तरफ इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) के कट्टरपंथी धड़े हमलों को जारी रखे हुए हैं। ज्ञात हो कि 28 फरवरी को जंग की शुरुआत से लेकर अब तक ईरान इजराइल समेत मिडिल ईस्ट के कुल 13 देशों को अपनी मिसाइलों का निशाना बना चुका है।

वाशिंगटन से आ रही खबरें ईरान के लिए और भी डरावनी हैं। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने फॉक्स न्यूज के साथ एक विशेष साक्षात्कार में खुलासा किया कि आज रात ईरान पर अब तक का सबसे बड़ा और व्यापक हमला किया जाएगा। बेसेंट ने स्पष्ट किया कि इस सैन्य अभियान का प्राथमिक लक्ष्य ईरान की उन तमाम मिसाइल निर्माण इकाइयों और मिसाइल लॉन्चर्स को जमींदोज करना है, जो इजराइल और अमेरिकी ठिकानों के लिए खतरा बने हुए हैं। अमेरिका ने अपनी सैन्य मदद का पिटारा खोलते हुए इजराइल को लगभग 151.8 मिलियन डॉलर के अत्याधुनिक हथियारों की नई खेप देने की भी पुष्टि की है।

अमेरिकी इंटेलिजेंस रिपोर्टों के अनुसार, ईरान की राजधानी तेहरान और अन्य प्रमुख सैन्य अड्डों के ऊपर अमेरिकी बमवर्षक विमानों और ड्रोन्स की हलचल बढ़ गई है। अमेरिका का मानना है कि यदि आज रात का यह प्रहार सफल रहता है, तो ईरान की आक्रामक सैन्य क्षमता दशकों पीछे चली जाएगी। इस बीच, व्हाइट हाउस ने साफ कर दिया है कि वह मध्य-पूर्व में अपने सहयोगियों की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है।

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की मृत्यु के बाद तेहरान में सत्ता के उत्तराधिकार को लेकर गहरा संकट पैदा हो गया है। उनके बेटे मोजतबा खामेनेई को अगला सर्वोच्च नेता बनाने की चर्चाएं जोरों पर थीं और उन्हें शक्तिशाली सुरक्षा बलों का समर्थन भी प्राप्त था, लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि वे पिछले तीन दिनों से सार्वजनिक जीवन से पूरी तरह गायब हैं। राजनीतिक गलियारों में यह आशंका जताई जा रही है कि इजराइली खुफिया एजेंसियां उन्हें निशाना बना सकती हैं, जिसके डर से वे किसी अज्ञात सुरक्षित स्थान पर छिपे हुए हैं। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस मामले में सीधा दखल देते हुए मोजतबा को उत्तराधिकारी मानने से इनकार कर दिया है। ट्रंप का दावा है कि ईरान के सर्वोच्च नेता के चयन की प्रक्रिया में अमेरिका की भी भागीदारी होनी चाहिए, अन्यथा सत्ता संभालने वाले किसी भी नए व्यक्ति को अमेरिका अपना दुश्मन मानेगा और उसे निशाना बनाएगा।

ईरान के भीतर केवल बाहरी हमले ही खतरा नहीं हैं, बल्कि आंतरिक विद्रोह भी सिर उठा रहा है। इराक में मौजूद ईरानी कुर्द संगठन 'खबात' के महासचिव बाबाशेख होसेनी ने संकेत दिया है कि उनके लड़ाके जल्द ही ईरान के भीतर एक बड़ा जमीनी अभियान शुरू कर सकते हैं। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्तमान में उनके लड़ाके किसी सक्रिय हमले में शामिल नहीं हैं, लेकिन ऐसी योजना लंबे समय से तैयार की जा रही है। होसेनी ने यह भी खुलासा किया कि अमेरिकी प्रशासन ने विभिन्न माध्यमों और बिचौलियों के जरिए उनसे संपर्क साधा है और यह जानने की कोशिश की है कि भविष्य में ईरान की मौजूदा सत्ता को हटाने के लिए उनके साथ कैसे सहयोग किया जा सकता है। कुर्द लड़ाकों का कहना है कि यदि उन्हें आधुनिक हथियार, विस्फोटक और उन्नत सैन्य उपकरण मुहैया कराए जाते हैं, तो वे ईरान के भीतर निर्णायक जमीनी कार्रवाई करने में सक्षम हैं। यह घटनाक्रम ईरान के लिए 'कोढ़ में खाज' जैसा साबित हो सकता है, जहाँ उसे अब अपनी सीमाओं के भीतर भी युद्ध लड़ना पड़ सकता है।

भारतीय तट पर युद्ध की आहटः कोच्चि में डॉक हुआ ईरानी युद्धपोत

इस महायुद्ध की एक महत्वपूर्ण कड़ी भारत के केरल राज्य से भी जुड़ गई है। ईरान का युद्धपोत लावन वर्तमान में भारत के कोच्चि बंदरगाह पर रुका हुआ है। आधिकारिक सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, ईरान ने 28 फरवरी को इस जहाज में तकनीकी खराबी आने के बाद भारत सरकार से मानवीय आधार पर मदद की गुहार लगाई थी। भारत ने स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए 1 मार्च को जहाज को कोच्चि में डॉक करने की अनुमति दी, जिसके बाद 4 मार्च को यह बंदरगाह पर पहुंच गया।

वर्तमान में जहाज के 183 क्रू मेंबर कोच्चि में भारतीय नौसेना की सुविधाओं में ठहरे हुए हैं। गौरतलब है कि लावन कोई अनजान जहाज नहीं है; इसने हाल ही में भारत में आयोजित अंतरराष्ट्रीय फ्लीट रिव्यू 2026 और 'मिलान-2026' जैसे प्रमुख नौसैनिक अभ्यासों में हिस्सा लिया था। हालांकि, भारत के लिए यह स्थिति कूटनीतिक रूप से काफी चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि अमेरिका ने इससे पहले भारत से लौट रहे एक अन्य ईरानी युद्धपोत देना पर हमला कर उसे श्रीलंका के निकट समुद्र में डुबा दिया था, जिसमें 87 ईरानी नौसैनिकों की जान गई थी। भारत अब एक तरफ मानवीय धर्म निभा रहा है, तो दूसरी तरफ उसे वैश्विक प्रतिबंधों और युद्ध की स्थितियों के बीच सावधानी से कदम उठाना पड़ रहा है।

युद्ध का भयावह रिपोर्ट कार्ड - अब तक का नुकसान

पिछले आठ दिनों के युद्ध ने ईरान और मध्य-पूर्व के बड़े हिस्से को खंडहर में तब्दील कर दिया है। आंकड़ों के अनुसार...

- **मानवीय क्षतिः** अमेरिका और इजराइल के सम्मिलित हमलों में अब तक ईरान के भीतर 1332 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है।
- **इंफ्रास्ट्रक्चर की तबाहीः** ईरान में अब तक 1300 से अधिक हवाई हमले किए गए हैं, जिनमें 14 मेडिकल सेंटर्स को भी निशाना बनाया गया है।
- **मिसाइल शक्ति का क्षरणः** इजराइल का दावा है कि उसने सटीक हमलों के जरिए ईरान के लगभग 300 मिसाइल लॉन्चर्स को तबाह कर दिया है।
- **आर्थिक पंगुताः** ईरान के कई बड़े शहरों में पानी और बिजली की सप्लाई पूरी तरह ठप हो गई है, जिससे आम जनता के बीच त्राहि-त्राहि मची है।
- **ईरानी पलटवारः** दूसरी ओर, ईरान ने अब आधिकारिक तौर पर पुख्ता तौर पर यह दावा किया है कि उसने कुवैत, बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात में स्थित तकरीबन 20 अमेरिकी सैन्य ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचाया है और भारी तबाही मचाई है।

ट्रंप को तगड़ा झटकाः कंपनियों को लौटाने होंगे 14.5 लाख करोड़; इंटरनेशनल ट्रेड कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद अब रिफंड का आदेश; जज ईटन बोले—टैरिफ हटाकर दोबारा करो गणना, सरकारी खजाने पर पड़ेगा भारी बोझ

वॉशिंगटन/नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)| अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'टैरिफ नीति' और उनके 'अमेरिका फर्स्ट' के आर्थिक दुर्ग को न्यायपालिका ने एक जोरदार प्रहार के साथ ढहा दिया है। अमेरिका की इंटरनेशनल ट्रेड कोर्ट ने एक अभूतपूर्व फैसले में ट्रंप प्रशासन को आदेश दिया है कि विभिन्न देशों और कंपनियों से टैरिफ के रूप में वसूले गए 14.5 लाख करोड़ रुपए ($175 बिलियन लगभग) तत्काल वापस किए जाएं। यह फैसला न केवल ट्रंप प्रशासन की आर्थिक नीतियों के लिए एक बड़ी हार है, बल्कि वैश्विक व्यापार के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा 'रिफंड ऑर्डर' भी माना जा रहा है।

दिसंबर 2025 तक अमेरिकी सरकार इन टैरिफ के माध्यम से 10.79 लाख करोड़ रुपए वसूल चुकी थी, लेकिन अब लंबित मामलों और ब्याज को मिलाकर यह आंकड़ा रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। यह कानूनी लड़ाई तब चरम पर पहुँची जब टेनेसी की कंपनी 'एटमस फिल्ट्रेशन' ने कोर्ट में गुहार लगाई। जज रिचर्ड ईटन ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि चूंकि सुप्रीम कोर्ट पहले ही इन टैरिफ को असंवैधानिक घोषित कर चुका है, इसलिए अब कंपनियों का पैसा सरकारी खजाने में रोकना पूरी तरह अवैध है। जज ईटन ने कस्टम्स विभाग को आदेश दिया है कि सभी लंबित मामलों में टैरिफ को हटाकर दोबारा गणना की जाए और योग्य कंपनियों को उनका पैसा लौटाया जाए।

इस फैसले की जड़ें 20 फरवरी 2026 के उस ऐतिहासिक सुप्रीम कोर्ट के फैसले में हैं, जहाँ शीर्ष अदालत ने ट्रंप के टैरिफ को 'अधिकार क्षेत्र से बाहर' बताया था। उस समय रिफंड की प्रक्रिया पर स्पष्टता नहीं थी, लेकिन इंटरनेशनल ट्रेड कोर्ट के इस नए आदेश ने अब सरकार के सामने एक बड़ी वित्तीय चुनौती खड़ी कर दी है। ट्रंप ने 'इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट-1977' के तहत जिस शक्ति का प्रदर्शन किया था, उसे कोर्ट ने 'तानाशाही पूर्ण' आर्थिक कदम करार दिया है।

अमेरिकी संविधान के तहत टैक्स और टैरिफ तय करने का प्राथमिक अधिकार अमेरिकी कांग्रेस (संसद) के पास है। ट्रंप ने इस संवैधानिक व्यवस्था को दरकिनार करने के लिए 49 साल पुराने कानून IEEPA का सहारा लिया था। इस कानून का मकसद युद्ध जैसी आपातकालीन स्थितियों या असाधारण अंतरराष्ट्रीय संकटों के समय राष्ट्रपति को त्वरित फैसले लेने की शक्ति देना था। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के 6-3 के बहुमत वाले फैसले ने यह स्पष्ट कर दिया कि "अमेरिका दुनिया के हर देश के साथ युद्ध की स्थिति में नहीं है।"

जजों ने मौखिक बहस के दौरान ही संदेह जताया था कि क्या राष्ट्रपति बिना संसद की मंजूरी के इतने बड़े पैमाने पर टैरिफ लगा सकते हैं, जो वास्तव में एक 'अप्रत्यक्ष टैक्स' का रूप ले चुके हैं। निचली अदालतों ने भी पहले ही इसे गैरकानूनी करार दिया था, यह मानते हुए कि IEEPA राष्ट्रपति को इतनी व्यापक शक्ति नहीं देता कि वे वैश्विक व्यापार की दिशा ही बदल दें। अदालत का मानना है कि यदि इस प्रकार के टैरिफ की अनुमति दी गई, तो यह भविष्य में किसी भी राष्ट्रपति को असीमित आर्थिक शक्ति प्रदान कर देगा, जो लोकतांत्रिक ढांचे के लिए खतरा है।

रिफंड प्रक्रिया की कमान जज ईटन के हाथ में : इस मामले की गंभीरता को देखते हुए जज रिचर्ड ईटन ने एक बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने घोषणा की है कि टैरिफ रिफंड से जुड़े सभी मामलों की सुनवाई वे स्वयं करेंगे। आमतौर पर ऐसे मामले अलग-अलग जजों के पास जाते हैं, लेकिन ईटन का मानना है कि इससे रिफंड की प्रक्रिया उलझ सकती है और सरकार को देरी करने का मौका मिल सकता है। जज ईटन की नियुक्ति 1999 में तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने की थी, और उन्हें अंतरराष्ट्रीय व्यापार कानूनों का विशेषज्ञ माना जाता है। उनके इस कड़े रुख ने ट्रंप प्रशासन की मुश्किलें बढ़ा दी हैं, क्योंकि अब सरकार के पास 'जुडिशियल फोरम' में हेरफेर की गुंजाइश खत्म हो गई है।

सुप्रीम कोर्ट के उन तीन जजों में, जिन्होंने ट्रंप के पक्ष में वोट किया था, जस्टिस ब्रेट कैवनॉ का नाम प्रमुख है। उन्होंने अपने असहमति नोट में विशेष रूप से भारत का जिक्र किया। कैवनॉ ने तर्क दिया कि ट्रंप ने भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद को हतोत्साहित करने के लिए टैरिफ का इस्तेमाल एक कूटनीतिक हथियार के रूप में किया था।

उनका मानना था कि ये टैरिफ विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा के उन संवेदनशील मुद्दों से जुड़े हैं, जहाँ अदालत को दखल नहीं देना चाहिए। कैवनॉ की दलील थी कि टैरिफ केवल आर्थिक फैसला नहीं, बल्कि सुरक्षा रणनीति का हिस्सा है। हालांकि, बहुमत वाले 6 जजों ने इस तर्क को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि सुरक्षा के नाम पर संसद के अधिकारों का हनन नहीं किया जा सकता।

ट्रंप का आक्रामक रुखः न्यायपालिका के खिलाफ 'जंग' का ऐलान

अदालती फैसलों से झुकने के बजाय डोनाल्ड ट्रंप ने और भी आक्रामक रुख अपना लिया है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अगले ही दिन उन्होंने वैश्विक टैरिफ को 10% से बढ़ाकर 15% करने का नया आदेश जारी कर दिया। यह 15% टैरिफ 24 फरवरी से लागू भी हो चुका है। ट्रंप ने जजों की सार्वजनिक रूप से आलोचना करते हुए उन्हें 'देश के लिए कलंक' और 'कायर' तक कह डाला। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि 'मुझे कोर्ट के कुछ जजों पर शर्म आती है, जिनमें हमारे देश के लिए सही काम करने की हिम्मत नहीं है।'

ट्रंप का तर्क है कि ये टैरिफ अमेरिकी उद्योगों को बचाने और विदेशी दुश्मनों से मुकाबला करने के लिए जरूरी हैं। हालांकि, कानूनी जानकारों का कहना है कि ट्रंप का नया 15% टैरिफ भी जल्द ही अदालतों में चुनौती के घेरे में होगा, क्योंकि इसका आधार भी वही पुराना कानून है जिसे सुप्रीम कोर्ट खारिज कर

चुका है। यह स्थिति अमेरिका में एक 'संवैधानिक संकट' की ओर इशारा कर रही है, जहाँ कार्यपालिका और न्यायपालिका आमने-सामने खड़ी हैं।

यूपी : डिप्टी सीएम केशव मौर्य के हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

2000 फीट ऊंचाई पर अचानक डिस्प्ले बंद हुआ

(फाइल फोटो)

लखनऊ (राजधानी चौपाल)| यूपी के डिप्टी सीएम केशव मौर्य के हेलिकॉप्टर की शनिवार को इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। उन्होंने लखनऊ से कौशांबी के लिए उड़ान भरी थी। 15 मिनट बाद ही हेलिकॉप्टर का डिस्प्ले अचानक बंद हो गया। अंदर धुआं भरने लगा। पायलट ने तुरंत लखनऊ एयर ट्रैफिक कंट्रोल यानी एटीसी को सूचना दी। इमरजेंसी लैंडिंग की परमिशन मांगी। विमान तब तक 50 किमी दूर बछरावां तक पहुंच गया था। अनुमति मिलते ही पायलट ने वापस लखनऊ एयरपोर्ट की तरफ मोड़ दिया। एयरपोर्ट पर सुबह 11.15 बजे हेलिकॉप्टर की सुरक्षित लैंडिंग करवाई। लैंडिंग तक हेलिकॉप्टर में काफी धुआं भर गया था। हेलिकॉप्टर से केशव समेत 6 लोगों को सुरक्षित नीचे उतारा गया। केशव के हेलिकॉप्टर ने लखनऊ के ला मार्टिनियर स्कूल ग्राउंड से उड़ान भरी। यह ग्राउंड उनके आवास के पास ही है। हेलिकॉप्टर में केशव समेत 6 लोग थे- दो पायलट, एडवाइजर, एक क्लास फोर का स्टाफ और सिक्योरिटी।

हेलिकॉप्टर 2000 फीट की ऊंचाई तक पहुंच गया। तभी पायलट को विमान में गड़बड़ी का पता चला। ATC से परमिशन लेकर तुरंत विमान लखनऊ की तरफ मोड़ा। पायलट ने जैसे-तैसे सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के बीच हेलिकॉप्टर को लखनऊ एयरपोर्ट में उतारा। इस दौरान फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस भी पहुंच गई थी। केशव मौर्य अब दूसरे हेलिकॉप्टर से कौशांबी रवाना हो गए। वहां केशव मौर्य, दो दिवसीय सरस महोत्सव कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे।

केशव मौर्य जिस हेलिकॉप्टर से सफर कर रहे थे, वह यूपी सरकार का है। इसकी जिम्मेदारी नागरिक उड्डयन विभाग के पास है। ईशान प्रताप सिंह इस विभाग के निदेशक हैं। वह सीएम के विशेष सचिव भी हैं। केशव के हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग का यह पहला मामला नहीं है।

RNI No. HARHIN/25/A3341, प्रकाशक, मुद्रक स्वामी एवं संपादक राहुल कुमार द्वारा सूचना प्रिंटर्स 33एस मॉडल टाउन, हिसार से छपवाकर कार्यालय आदमपुर मंडी हिसार, (किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र हिसार न्यायालय होगा)।
संपादक : राहुल कुमार, फोन : 9306813001, e-mail : rajdhanichoupal@gmail.com, प्रकाशन स्थल : मकान संख्या : 114, शांति पार्क के पास, मंडी आदमपुर, हिसार (हरियाणा)